नई दिल्ली
गुरुवार
09 मई, 2024
वर्ष: 10, अंक: 247
पृष्ठ: 08, मूल्य 2 रु0
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
सद्भावना टुडे
आवाज़ अधिकार की

DELHIN/2014/58158

नौकरी चाहिए तो 'इंडी गठबंधन को ' को...पेज-05

पंजाब किंग्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर...पेज-07

हिन्दी में प्रकाशित होने वाला सबसे लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र
'सद्भावना टुडे'
में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :-
011-43678240
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

कांग्रेस-बीआरएस गठबंधन तुष्टिकरण की राजनीति का पर्याय है: प्रधानमंत्री

मोदी ने तेलंगाना के करीमनगर और वारंगल में सार्वजनिक सभाओं को संबोधित करते हुए कहा

हैदराबाद,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस-भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) गठबंधन भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति का पर्याय है और उनका शासन मॉडल 'शून्य शासन' का पर्याय है। प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना के करीमनगर और वारंगल में सार्वजनिक सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह जरूरी है कि हम तेलंगाना को इस विनाशकारी गठबंधन से बचाने के लिए एकजुट हों।

मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी दलों के बीच तुलना करते हुए बल देकर कहा कि भाजपा ने हमेशा राष्ट्र को सबसे पहले प्राथमिकता दी है जबकि तेलंगाना में कांग्रेस और बीआरएस दोनों पहले अपने परिवारों को प्राथमिकता देते हैं इसलिए कांग्रेस और बीआरएस के बीच अंतर करना बहुत कठिन है। प्रधानमंत्री मोदी ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए टिप्पणी किया कि जब तेलंगाना का गठन हुआ, तब हमने बीआरएस पर भरोसा किया हालांकि, अपने परिवार के लिए बीआरएस ने तेलंगाना के परिवारों के सपनों को चकनाचूर कर दिया। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस के इतिहास को प्रतिबिंबित करता है क्योंकि आजादी के बाद देश ने कांग्रेस पर भरोसा किया लेकिन केवल वही पैटर्न दिखा- परिवार प्रथम। श्री मोदी ने कहा कि भले ही देश को नुकसान हो लेकिन उनकी परिवार प्रथम नीति सबसे पहले आती है, जो खेदजनक स्थिति को उजागर करती है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पार्टी की क्रूरताओं को उजागर करते हुए कहा, कांग्रेस की परिवार प्रथम नीति के कारण पीवी नरसिम्हा राव जैसे नेताओं का अनादर हुआ। उनके निधन के बाद भी, उनके पार्थिव शरीर को कांग्रेस कार्यालय में प्रवेश नहीं करने दिया गया। यह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार थी जिसने श्री राव को भारत रत्न से सम्मानित किया और उनके योगदान का सम्मान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार कांग्रेस-बीआरएस गठबंधन की पहचान है। उन्होंने कहा कि एक दूसरे पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने के बावजूद, वे एक ही सिंडिकेट का हिस्सा हैं।

उन्होंने सवाल किया कि बीआरएस ने कांग्रेस पर 'वोट के बदले नोट' का आरोप लगाया था लेकिन क्या बीआरएस के सत्ता में रहने के दौरान कोई जांच हुई? प्रधानमंत्री ने यह भी सवाल किया कि इसी प्रकार, कांग्रेस ने बीआरएस पर कालेश्वरम घोटाले का आरोप लगाया था लेकिन तेलंगाना में इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद, क्या कांग्रेस ने इसकी कोई जांच की है? उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि दोनों दल एक ही भ्रष्टाचार सिंडिकेट में शामिल हैं। कांग्रेस के दोहरे मापदंड पर तीखा हमला करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि सिर्फ पांच वर्ष पहले, वे अंबानी और अडानी के प्रति मनोग्रस्त थे लेकिन रातोंरात, उनका दृष्टिकोण बदल गया है और अब वे उनके बारे में कुछ नहीं बोलते और चुप रहते हैं। श्री मोदी ने पूछा, अचानक आए इस बदलाव के पीछे का कारण क्या हो सकता है? यह पाखंड कहां तक जाएगा? उन्हें अडानी, अंबानी से कितना काला धन प्राप्त हुआ है?

परिवारवादियों की होगी हार, फिर खिलेगा कमल: अमित शाह

कन्नौज,एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) जैसे परिवारवादी दलों का जनता सफाया करेगी और देश को विकास के रास्ते पर ले जाने वाले श्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन करायेगी।

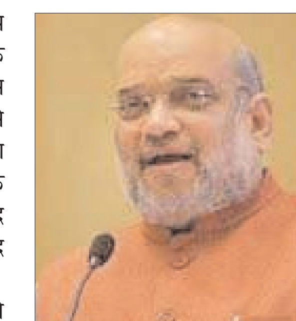

श्री शाह ने तिर्वा में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी सुब्रत पाठक के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये कहा कांग्रेस और सपा परिवारवादी लोग हैं, इन्हें अपने परिवार के अलावा दूसरा कोई नहीं दिखता। यादव समाज अखिलेश यादव से ख़फ़ा है। कन्नौज में सुब्रत पाठक की जीत तय है। यहाँ की जनता एक बार फिर परिवारवादियों को सबक़ सिखाने को तैयार है। उन्होने कहा सालों तक यहां की जनता ने मुलायम परिवार को वोट दिया लेकिन ये ऐसा परिवार है जो जीतता है तब भी नहीं आता, हारता है तो भी नहीं आता। कन्नौज की जनता यादव परिवार की फिकरापरस्ती की आदत को अच्छी तरह समझ चुकी है। कन्नौज में कोई मुकाबला नहीं है, अखिलेश यादव किसी रेस में नहीं हैं, सुब्रत पाठक आसानी से जीत रहे हैं। अमित शाह ने कहा ये परिवारवादी पार्टियां हैं, इनको अपने परिवार के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। सपा में नेता जी गए, अखिलेश जी आ गए, इसके बाद डिंपल जी को ले आए. ये यादव समाज के खैरख्वाह नहीं हैं। इन्होंने पांच टिकट परिवार में ही बांट दिये. कन्नौज से अखिलेश यादव, मैनपुरी से डिंपल जी, फिरोजाबाद से भतीजा अक्षय, बदायूं से आदित्य यादव और आजमगढ़ से धर्मेंद्र यादव लड़ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में नहीं जाने को लेकर भी अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वोट बैंक के डर के कारण वो राम मंदिर नहीं गए. हम वोट बैंक से नहीं डरते। शाह ने कहा कि सदियों से हमारा कन्नौज दुनियाभर में इत्र की खुशबू पहुंचाता है और जब जी20 वाले आए तो मोदी जी ने सबको कन्नौज का इत्र भेंट किया. रामलला को भी यहीं का इत्र जाता है। इससे पूर्व बीजेपी नेताओं ने ग्रहमंत्री का स्वागत किया। ग्रहमंत्री की जनसभा में उमड़ी भीड़ से भाजपाइयों के चेहरे खिले दिखे।

एक नजर

कुलगाम मुठभेड़ स्थल पर तीसरा आतंकवादी भी ढेर

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार को हुए ताजा मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने छिपे हुए एक और आतंकवादी को मार गिराया। इसी जगह पर एक दिन पहले हुई मुठभेड़ में टीआरएफ के एक शीर्ष कमांडर सहित दो आतंकवादी मारे गए थे। जम्मू कश्मीर पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, कुलगाम में अभियान बहाल, ताजा गोलीबारी जारी। सुरक्षों बलों की एक संयुक्त टीम ने बुधवार को भी कुलगाम के रेडवानी पाईन इलाके में तलाशी जारी रखी क्योंकि उन्हें घर में तीन आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना मिली थी और उनमें से टीआरएफ कमांडर बासित डार सहित दो आतंकवादी मारे गये थे। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान के दौरान छिपे हुए आतंकवादी ने सुरक्षा बलों के दल पर गोलीबारी की। सुरक्षा बलों ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने गोलीबारी होने पर मुठभेड़ स्थल के आसपास घेराबंदी कड़ी कर दी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक्स पर कहा, कुलगाम में अभियान बहाल, ताजा गोलीबारी शुरू हुई। आपरेशन प्रगति पर है। रेडवानी पाईन में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में अभियान शुरू किया था, जिसके बाद सोमवार रात मुठभेड़ शुरू हो गई।

देश का पहला ऊष्मा आघात उपचार केंद्र दिल्ली में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के डा राम मनोहर लोहिया अस्पताल में बुधवार को देश का पहला हीट स्ट्रोक- ऊष्मा आघात उपचार केंद्र शुरु किया जिसमें लू लगने से संबंधित बीमारियों से पीड़ित रोगियों को उपचार किया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में अवर सचिव रोली सिंह ने इस अत्याधुनिक उपचार केंद्र के उद्घाटन करते हुए हुए कहा कि यह गर्मी से संबंधित बीमारियों के जोखिमों से निपटने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस अवसर पर निदेशक और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रोफेसर अजय शुक्ला भी उपस्थिति रहे। श्रीमती सिंह ने कहा कि इस उपचार का लक्ष्य गर्मी से संबंधित बीमारियों के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और व्यक्तियों को निवारक कार्रवाई करने के लिए सशक्त बनाना है। उपचार केंद्र को अत्याधुनिक चिकित्सा प्रौद्योगिकी से सुसज्जित किया गया है। इसे गर्मी से संबंधित बीमारियों से प्रभावित लोगों को तत्काल और विशेष देखभाल के लिए तैयार किया गया है। इससे लू के रोगियों में मृत्यु दर और रुग्णता को कम करने में मदद मिलेगी।

प्रियंका के रोड शो में उमड़ा जन सैलाब, राहुल को जिताने की अपील

रायबरेली/नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के समर्थन में बुधवार को उनके संसदीय क्षेत्र रायबरेली में जबरदस्त रोड शो कर जनता से अपने भाई को वोट देने की अपील की और कहा कि श्री राहुल गांधी ही देश में बदलाव ला सकते हैं।

श्रीमती वाड्रा ने रायबरेली के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा, इस देश के प्रधानमंत्री सवालों से डरते हैं। लोकतंत्र पर आज खतरा है। राहुल जी का आप साथ दो, राहुल जी बदलाव लाएंगे। रायबरेली ने हमेशा लोकतंत्र बचाने की लड़ाई की नींव रखी है। आपने आंदोलन की नींव रखी है। आप को जागरूक होना है और राहुल जी का साथ देना है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार देश के बड़े-बड़े खरबपतियों को देश की सारी संपत्ति सौंप रही है। टीवी पर जो दिखाया जा रहा है, वो देश की सच्चाई नहीं है। असलियत ये है कि नरेंद्र मोदी खरबपतियों की सरकार चला रहे हैं और देश की गरीब जनता को उन्होंने नकार दिया है। उद्योगपति अडानी अंबानी का कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा नाम नहीं लेने संबंधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर उन्होंने कहा, तीसरे चरण में ही देश की जनता ने मोदी जी का टेम्पो डाउन कर दिया है इसलिए दोस्तों का टेम्पो याद आ रहा है। मोदी जी जवाब दीजिये, देश जानना चाहता है। इस बीच श्री गांधी ने भी श्री मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सवाल किया, भाजपा के भ्रष्टाचार के टेम्पो का 'ड्राइवर' और 'खलासी' कौन है, देश जानता है। घबरा गये क्या मोदी जी। आज तक बंद कमरों में अडानी अंबानी का नाम लेते थे आज खुल कर उनका नाम ले रहे हैं। उन्होंने कहा, आपको यह कैसे पता कि यह लोग काला पैसा टेम्पो में बाँटते हैं। व्यक्तिगत अनुभव है क्या। जल्दी से सीबीआई -ईडी भेजिए वहाँ, घबराइए मत।

वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा ने डीपफेक तकनीक पर गैर-नियमन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया

नई दिल्ली,एजेंसी। वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा की ओर से देश में डीपफेक तकनीक पर गैर-नियमन के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को नोटिस जारी किया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के माध्यम से केंद्र सरकार से जवाब मांगा तथा पूछा कि क्या वह इस मुद्दे पर कार्रवाई करने के लिए तैयार है।

इंडिया टीवी के अध्यक्ष और प्रधान संपादक रजत शर्मा ने अपनी जनहित याचिका में कहा कि डीपफेक तकनीक का प्रसार गलत सूचना और दुष्प्रचार अभियान सहित समाज के विभिन्न पहलुओं के लिए महत्वपूर्ण खतरा है। डीपफेक सार्वजनिक संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अखंडता को नुकसान पहुंचाता है, धोखाधड़ी और पहचान की चोरी में संभावित उपयोग के साथ-साथ व्यक्तियों की प्रतिष्ठा और गोपनीयता को नुकसान पहुंचाता है। याचिकाकर्ता ने कहा, ये सभी खतरे तब और बढ़ जाते हैं जब किसी प्रभावशाली व्यक्ति जैसे राजनेता, खिलाड़ी, अभिनेता या जनता की राय को प्रभावित करने वाले किसी अन्य सार्वजनिक व्यक्ति का डीपफेक बनाया जाता है। यह खतरा उस व्यक् के मामले में और ज्यादा बढ़ जाता है जो रोज टीवी पर दिखाई देता है और जिसके बयानों पर जनता भरोसा करती है। रजत शर्मा ने कहा कि इनके दुरुपयोग से जुड़े संभावित नुकसान को कम करने के लिए सख्त प्रवर्तन और सक्रिय कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता है। डीपफेक तकनीक के दुरुपयोग के खिलाफ पर्याप्त विनियमन और सुरक्षा उपायों की अनुपस्थिति से संविधान के अंतर्गत प्रदान किए गए मौलिक अधिकारों पर एक गंभीर खतरा उत्पन्न होता है, जिसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, गोपनीयता और निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार शामिल है।

सैम पित्रोदा का ओवरसीज कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने भारतीयों की शक्ल-सूरत की तुलना विदेशी मूल के लोगों करने संबंधी बयान से उपजे विवाद के बीच बुधवार को पद से इस्तीफा दे दिया। श्री पित्रोदा ने एक अखबार के साथ साक्षात्कार में देश विभिन्न भागों के निवासियों की तुलना उनके रंग-रूप के आधार पर विदेशी मूल के लोगों से की थी। कांग्रेस पार्टी ने एक बयान में कहा कि श्री पित्रोदा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। गौरतलब है कि श्री पित्रोदा साक्षात्कार में उत्तर भारतीयों की चमड़ी की तुलना गोरों से की थी तो पश्चिम भारतीयों की अरब मूल के लोगों से की थी। उन्होंने कहा कि पूर्वोतर के लोग चीनियों से और दक्षिण भारत के लोग शक्ल-सूरत में अफ्रीकी मूल के लोगों से मिलते हैं।

कांग्रेस और सपा ने आधे समर में ही हार मान ली: योगी

संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

कानपुर, एटा, शाहजहांपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को कहा कि यह चुनाव रामभक्त और रामद्रोहियों के बीच है। जो रामभक्त हैं, वही राष्ट्रभक्त भी हैं। इन चुनाव में रामद्रोहियों को नकार दीजिए। सपा पर बरसते हुए योगी ने कहा कि सात मई को हुए चुनाव में सैफई परिवार तीन सीटों पर हारेगा। 13 को कन्नौज और 25 को आजमगढ़ का नंबर भी आने वाला है।

उन्होंने अकबरपुर लोकसभा सीट से देवेंद्र सिंह भोले, फर्रुखाबाद से मुकेश राजपूत और शाहजहांपुर से अरुण सागर को फिर जिताने की अपील की। वहीं शाहजहांपुर की ददरौल विधानसभा में उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी अरविंद सिंह को जिताने का संकल्प दिलाया। उन्होंने जनता से कहा कि अकबरपुर का नाम ही ऐसा है कि बार बार बोलने में संकोच लगता है। ये सब बदल जाएगा। यह सनातन सत्य है कि रामद्रोहियों का हमेशा पतन हुआ है। 2024 का लोकसभा चुनाव इस शाश्वत सत्य की पुष्टि करने वाला है। रामद्रोही हमें जाति, क्षेत्र के नामपर लड़ाने का काम कर रहे हैं। आतंकियों का महिमामंडन और माफिया को गले का हार बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा विभाजन की राजनीति करने वाली रही है। इन्होंने देश का विभाजन किया। देश के अलग अलग भागों में आतंकवाद और अलगाववाद को पनपाने का काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सर्वे करा रही है कि इस क्षेत्र में गन्ने की गुंजाइश होगी तो यहां शुगर और इथनॉल कॉम्पलेक्स का विकास किया जाएगा।

सपा सरकार में यहां तमंचे बनते थे, कानपुर डिफेंस कॉरीडोर में देश के लिए तोपें बनेंगी। यहां की तोप जब सीमा पर गरजेगी तो कानपुर और यूपी का नाम सबके जेहन में छा जाएगा। जब दुश्मन देश की सेना धराशाई होंगी तो उसके साथ कानपुर डिफेंस कॉरीडोर का नाम सबसे ऊपर उभर के आएगा। आज यहां बन रहा गोला बारूद पूरी दुनिया को जा रहा है। योगी ने एटा में फर्रुखाबाद लोकसभा सीट के प्रचार के दौरान कहा कि प्रो. रामगोपाल यादव को राम मंदिर कैसे अच्छा लगेगा। यह लोग आतंकियों को जेल से छुड़ाते हैं। 2004से 2007 के मध्य सपा सरकार के समय आतंकियों ने अयोध्या में रामजन्मभूमि, काशी में संकट मोचन मंदिर, लखनऊ, अयोध्या व वाराणसी की कचहरी और रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हमला किया था। 2012 में जब सपा सरकार आई तो तत्कालीन सीएम ने सबसे पहले आतंकवादियों के मुकदमों को वापस लेने का आदेश दिया था। उन्हें नौजवानों, बेटियों, व्यापारियों की नहीं, बल्कि आतंकवादियों की चिंता थी। उन्होने कहा कि भारत में राम और राम मंदिर का विरोध करने वालों को वोट देने का पाप लगेगा।

इस वर्ष मिस यूनीवर्स प्रतियोगिता में उम्र, लंबाई की शर्तों में ढील: निखिल आनंद

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत में मिस यूनिवर्स के आयोजन का स्वामित्व रखने वाले निखिल आनंद ने बुधवार को यहां कहा कि इस वर्ष मिस यूनीवर्स प्रतियोगिता में उम्र और लंबाई की सीमा हटा दी गयी है, ताकि इसके कारण किसी महिला को इससे वंचित न होना पड़े। उन्होंने राजधानी में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। श्री निखिल आनंद ने %यूनीवार्ता% से कहा, महज लंबाई और उम्र ज्यादा होने की वजह से कई होनहार महिलाएं आगे नहीं बढ़ पाती हैं। इसलिये इस वर्ष मिस यूनिवर्स में उम्र और लंबाई की शर्तों में ढील देने के साथ ही अन्य बहुत सारे बदलाव कर रहे हैं, ताकि मिस यूनिवर्स के मंच पर हर वर्ग की महिलायें अपने प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करने में सक्षम हो।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता प्रतियोगी को हर पढ़ाव पर खुद की कमियों को देखने परखने और समझने का भी मौक़ा देती है। श्री निखिल आनंद ने कहा कि इस वर्ष अगस्त में भारत के सभी राज्यो में स्टेट लेवल कंपीटिशन आयोजित होने की संभावना है और उसके बाद तमाम विजेताओं के बीच मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 का चयन होगा और वो वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधि करेंगी। इस अवसर पर मिस यूनीवर्स की उपाध्यक्ष मारियो बुराको ने कहा, %मिस यूनीवर्स प्रतियोगिता मंच देशों को आपस में जोड़ता और गहरे संबंध स्थापित करता है। मिस यूनिवर्स 2023 शेन्निस पलासियोस ने कहा, मैने कुछ ही समय भारत में बिताया है लेकिन यहाँ के लोग इतने प्यारे हैं जैसे ये मुझे वर्षो से जानते हैं। भारत बेहतरीन संस्कृति का समागम है। मैं यहाँ आ कर बहुत अपनापन महसूस कर रही हूं। मॉडल और ब्यूटी क्वीन शेन्निस पलासियोस मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ से पहली मिस यूनीवर्स हैं।

अक्षर कभी क्षर नहीं होते-प्रो. योगेश सिंह

मो. हबीबुल्लाह उर्फ मुन्ना, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। भारत पहले स्लेव इंडिया था, फिर हुआ फ्री इंडिया और अब न्यू इंडिया है। इन तीनों को अपने-अपने काल में समाज सुधारक चाहियें थे। अगर उन समाज सुधारकों से सीख कर अपने मन में हम राष्ट्रप्रेम का भाव नहीं ला पाते हैं, तो यह सबसे बड़ी कमी है। यह शब्द दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहे। प्रो. सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय के कान्वेंशन हाल में एक पुस्तक विमोचन समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ के. एल. जोहर की दो पुस्तकों इंडियाज़ ग्रेटेस्ट रिफॉर्मर्स - 51 एक्स्ट्राऑर्डिनरी स्टोरीज़ और थ्री स्टैलर रिवॉल्यूशनरीज हू रैटल्ड ब्रिटिश इंडिया का लोकार्पण किया गया।

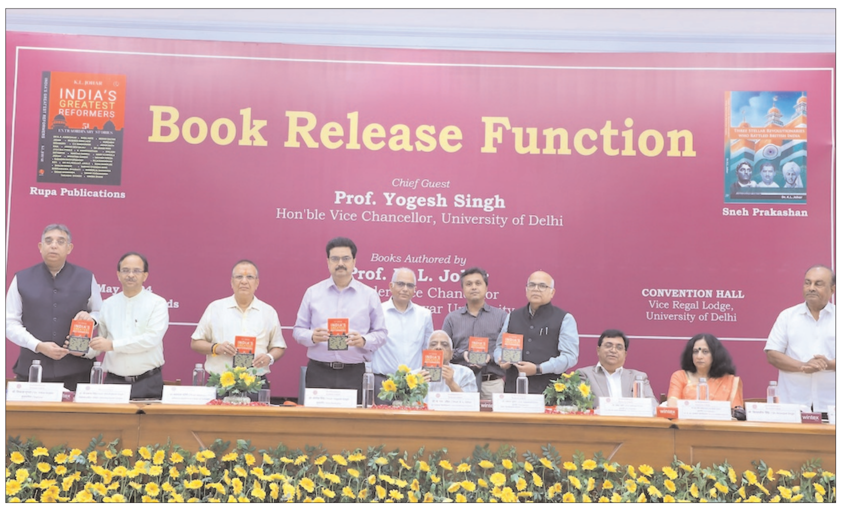

प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि कहा कि अक्षर कभी क्षर नहीं होते, जो पुस्तकें लिखी जाती हैं वे अमर होती हैं। उन्होंने कहा कि ये पुस्तकें भी हमारी प्रेरणा का स्रोत बनेंगी। कुलपति ने डॉ जोहर की पुस्तक इंडियाज़ ग्रेटेस्ट रिफॉर्मर्स - 51 एक्स्ट्राऑर्डिनरी स्टोरीज़ पर चर्चा करते हुए कहा कि इस पुस्तक में डॉ बीआर अंबेडकर से लेकर विनोबा भावे जैसे 51 महापुरुषों की कहानियाँ संकलित की गई हैं। अधिकतर लोग इनमें से ज़्यादातर महापुरुषों के बारे में जानते तक नहीं। इसलिए ऐसी कहानियों का प्रकाश में आना जरूरी है। जब इन लोगों को बार-बार पढ़ेंगे तो पता चलेगा कि किसी पुस्तक की क्यों जरूरत है। विनोबा भावे 48 हजार किलोमीटर देश में चले और भू-दान में लोगों ने उनके कहने पार 45 लाख एकड़ जमीन दान की। अगर हम इन्हें पढ़ेंगे तो ऐसे चरित्र हमें प्रभावित करेंगे। कुलपति ने डॉ जोहर की दूसरी पुस्तक थ्री स्टैलर रिवोल्यूशनरीज़ हू रैटल्ड ब्रिटिश इंडिया के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि इस पुस्तक में बाघा जतिन, रामप्रसाद बिस्मिल और शहीद भगत सिंह पर विस्तृत लेखन किया है। पुस्तक में इन क्रांतिकारियों से जुड़े बहुत से तथ्यों को उजागर किया गया है। प्रो. योगेश सिंह ने डॉ के. एल. जोहर के जज्बे की तारीफ करते हुए कहा कि करीब 11 महीने पहले ही उनकी एक पुस्तक उत्तर प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी का विमोचन भी दिल्ली विश्वविद्यालय में ही हुआ था। 88 वर्ष की उम्र में भी मात्र 8 महीने में दो पुस्तकें लिख देना उनकी बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने डॉ जोहर के रिक्शा चालक से कुलपति तक के सफर को बहुत ही प्रेरक बताया। दोनों पुस्तकों के लेखक डॉ के. एल. जोहर ने अपनी पुस्तकों इंडियाज़ ग्रेटेस्ट रिफॉर्मर्स - 51 एक्स्ट्राऑर्डिनरी स्टोरीज़ और थ्री स्टैलर रिवॉल्यूशनरीज हू रैटल्ड ब्रिटिश इंडिया के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह उनकी क्रमशः 26वीं और 27वीं पुस्तकें हैं। उन्होंने बताया कि उनकी पहली पुस्तक में डॉ बीआर अंबेडकर से लेकर राजा राम मोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, कैलाश सत्यार्थी, पद्मश्री उमा तुली, बिंदेश्वर पाठक, महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, सुंदर लाल बहुगुणा और विनोबा भावे जैसी 51 शख्सियतों के जीवन से जुड़ी घटनाओं को सहेजा गया है। दूसरी पुस्तक थ्री स्टैलर रिवोल्यूशनरीज़ हू रैटल्ड ब्रिटिश इंडिया में बाघा जतिन, रामप्रसाद बिस्मिल और शहीद भगत सिंह से जुड़ी कहानियों को तथ्यों सहित सहेजा गया है। उन्होंने पुस्तकों की विषयवस्तु पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के आरंभ में के. एल. जोहर के पुत्र विक्रम जोहर ने अतिथियों का स्वागत किया और समापन पर उनके दूसरे पुत्र विवेक जोहर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर कई शिक्षाविदों भी को सम्मानित किया गया। पुस्तक विमोचन समारोह में हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय महेन्द्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और आईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति प्रो. महेश वर्मा तथा शहीद भगत सिंह के भतीजे किरणजीत सिंह ने भी अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। समारोह के दौरान मंच संचालन शहीद भगत सिंह के भानजे प्रो. जगमोहन सिंह द्वारा किया गया। पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान डॉ बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अनु सिंह लाठर, डीयू के डीन ऑफ कॉलेजेज़ प्रो. बलराम पाणी, दक्षिणी परिसर के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह और कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता सहित कई विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं अन्य शिक्षाविद उपस्थित रहे।

सिख मांगों को पूरा करने का वादा करने वाले ही सिख वोटों के हकदार होंगे-सरना

सैफुल्लाह सिद्दीकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में वोटिंग के लिए लगभग 20 दिन बचे हैं, दिल्ली से अकाली दल के प्रधान सरदार परमजीत सिंह सरना ने स्पष्ट किया है कि सिर्फ वही सियासी पार्टी या उम्मीदवार को सिख समर्थन देंगे जो सिख कौम की मांगों को पूरा करने का वादा स्पष्ट तौर पर करेंगे। दिल्ली पंजाब से बाहर किसी भी शहर में सिखों की सबसे अधिक आबादी वाला घर है।

सरना ने भाईचारे की मांगों को निम्नलिखित अनुसार सूचीबद्ध किया

1) तीस सालों से जेल में बंद रहने वाले बंदी सिंहों ने बहुत लंबे समय से बेइंसाफी का सामना किया है। यह आवश्यक है कि नई सरकार बनने पर उन्हें न्याय दिया जाए और उन्हें रिहा किया जाए।

2) किसान हमारे देश की रीढ़ की हड्डी है। देश भर के किसान अपनी मांगों की आवाज़ उठा रहे हैं। यह जरूरी है की औधा सभलने के बाद, नई सरकार को उनकी शिकायतों को सर्गरमी सुनकर इन मुद्दों का समाधान करे। किसानों को किसी भी लालच के बिना किसी भी देश या क्षेत्र को अपनी उपज बेचने की इजाज़त दी जानी चाहिए।

3) श्री ननकाणा साहिब सिख कौम के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हर सिख इसके दर्शन के लिए सुबह-शाम अर्दास करता है। नई सरकार के कार्यकाल में सिखों को श्री ननकाणा साहिब के दर्शन के लिए वीज़ा ऑन अराइवल दिया जाना चाहिए।

4) सिखों के धार्मिक मामलों में केंद्र या राज्य सरकारों द्वारा किसी भी दखल-अंदाज़ी नहीं की जाएगी, जैसे कि दिल्ली, तख़्त श्री पटना साहिब और श्री हज़ूर साहिब में हाल ही में कुछ महीनों और कुछ सालों में हुआ है।

अंत में, हम दिल्ली के सूझवान सिखों को अपील करते हैं कि देश में चल रहे आम चुनावों के दौरान कॉमी हित, किसानी, युवा और पंजाब के अच्छे-बुरे का विचार करके दिल्ली के सिख समुदाय की भावनाओं की अनुवाद करने के लिए अपने वोट का भुगतान करने से पहले गुरु पातशाह द्वारा दी गई विवेक बुद्धि का उपयोग करें। ताकि सिखी सिधांतों पर चलते हुए डर और नफ़रत रहित समाज और देश की तरक्की का मनुष्यता की रोशनी में टीका पूरा किया जा सके।

जीत आएगी गठबंधन प्रत्याशी कन्हैया कुमार के खाते में : श्रीदत्त शर्मा

नई दिल्ली। उत्तरी पूर्वी लोकसभा क्षेत्र से भारी मतों से चुनाव जीतेंगे इंडिया गठबंधन प्रत्याशी कन्हैया कुमार, ऐसा कहना है घोंडा विधानसभा से आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक श्रीदत्त शर्मा का। उत्तरी पूर्वी लोकसभा क्षेत्र के चुनाव पर बात करते हुए श्री दत्त शर्मा ने कहा इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी कन्हैया कुमार उत्तरी पूर्वी लोकसभा क्षेत्र से भारी मतों से लोकसभा चुनाव जीतेंगे और उत्तरी पूर्वी लोकसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी का प्रत्येक नेता एवं कार्यकर्ता इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी कन्हैया कुमार के साथ पूरी ताकत से खड़ा है।

श्री दत्त शर्मा ने आगे कहा कि देश में भाजपा के द्वारा देश की जनता एवं विपक्ष के नेताओं के ऊपर किए जा रहे अन्याय के खिलाफ न्याय की इस लड़ाई में इंडिया गठबंधन पूरी मजबूती से खड़ा है और इसी के तहत उत्तरी पूर्वी लोकसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी का प्रत्येक नेता एवं कार्यकर्ता इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी कन्हैया कुमार को विजयी बनाने के लिए पूरी तरह से प्रयासरत है। श्री दत्त शर्मा ने आगे कहा कि आगामी लोकसभा चुनावों में देश एवं विपक्ष के ऊपर दस वर्षों से अन्याय करने वाली राजनीतिक पार्टी भाजपा को न्याय का हक लेने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों के गठबंधन इंडिया गठबंधन की एकता देखने को मिलेगी और इन आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा को अपनी करारी हार से इस बात का भी पता चल जायेगा की अन्याय के ऊपर जीत हमेशा न्याय की होती है, झूठ के ऊपर जीत हमेशा सच की ही होती है।

हर्ष मल्होत्रा के सम्मान में जैन समाज की सभा

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में जैन समाज बिहारी कालोनी की सामाजिक सभा का वातावरण उस समय राष्ट्रमय हो गया जब उसमें गूंजे राष्ट्र के सम्मान में गगनभेदी जयकारे। हालांकि यह सभा पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी हर्ष मल्होत्रा को समर्थन प्रदान करने के मद्देनजर आयोजित की गई थी। जैन समाज द्वारा आयोजित सभा की अध्यक्षता प्रदीप जैन (प्रधान जैन समाज बिहारी कालोनी) द्वारा की गई। इस मौके पर समाज के लोगों द्वारा हर्ष मल्होत्रा को समर्थन देने के साथ साथ उनका अभिनंदन भी किया गया।

अभिनंदन अवसर पर भाजपा शाहदरा जिला अध्यक्ष संजय गोयल, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा शाहदरा जिला अध्यक्ष विपिन जैन, युवा मोर्चा लोकसभा प्रभारी सचिन जैन, पूर्व महापौर निर्मल जैन, निगम पार्षद भरत गौतम, राजेन्द्र जैन, अशोक जैन, अनुराग जैन, आदीश जैन, अरुण जैन, राजीव जैन, वेदप्रकाश जैन, मुकेश जैन, संगीता शर्मा, विनोद जैन, विशाल भारद्वाज व विजय जैन सहित काफी संख्या में जैन समाज के स्थानीय लोग उपस्थित रहे। हर्ष मल्होत्रा का अभिनंदन करते हुए समाज के प्रधान प्रदीप जैन ने कहा कि वर्तमान लोकसभा चुनाव राष्ट्र के मान-सम्मान का चुनाव है। जैन समाज सदा राष्ट्र प्रेमियों के साथ खड़ा है। हर्ष मल्होत्रा ने इस मौके पर कहा कि राष्ट्र का सम्मान ही सदैव भाजपा का रहा है अभिमान। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा शाहदरा जिला अध्यक्ष विपिन जैन ने कहा कि भाजपा की यह भीष्म प्रतिज्ञा है कि राष्ट्र के सम्मान की जंग में उसने ना कभी राष्ट्र का सिर झुकने दिया और ना कभी झुकने देगी।

लवली ने कहा, -वो राजनीति छोड़ देंगे लेकिन भाजपा नहीं छोड़ेंगे

नई दिल्ली। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए अरविंदर सिंह लवली ने बुधवार को कहा कि वो राजनीति छोड़ देंगे, लेकिन भाजपा नहीं छोड़ेंगे। लवली ने पहले कांग्रेस छोड़ दी थी और अप्रैल 2017 में मलिक के साथ भाजपा में शामिल हो गए थे। हालांकि कुछ महीनों के भीतर वह 2018 में वापस कांग्रेस में शामिल हो गए। लवली पूर्व मंत्री राज कुमार चौहान, नसीब सिंह और अमित मलिक सहित दिल्ली कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ पिछले सप्ताह भाजपा में शामिल हुए। लवली 2018 से कांग्रेस में थे। उन्होंने दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पसंद को लेकर पार्टी नेतृत्व के साथ मतभेद के चलते कांग्रेस छोड़ दी थी। कांग्रेस छोड़ने के बाद लवली ने कहा कि पिछली बार मैंने गुस्से के कारण कांग्रेस छोड़ने का फैसला लिया था। हालांकि, इस बार हमने ठंडे दिमाग और बहुत सोच-विचार के साथ फैसला लिया है। अब हम बीजेपी में ही राजनीति करेंगे या राजनीति छोड़ देंगे। लवली के साथ आए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि वह और अन्य नेता पार्टी में अपनी भूमिका तय करने के लिए स्वतंत्र होंगे। लवली ने कहा कि किसी भी पार्टी में कार्यकर्ता की भूमिका सबसे अहम होती है और उन्हें जहां भी जाने को कहा जाएगा, वह उस भूमिका को निभाएंगे और पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। लवली दिल्ली चुनाव के लिए भाजपा के 40 स्टार प्रचारकों में से एक हैं। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले दिनों में दिल्ली कांग्रेस के कई अन्य नेता भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

भारत-कोरिया संगीत महोत्सव की तैयारी जोरों पर

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। राजकुमारी सुरीरत्ना का कोरिया के राजा सुरो से विवाह भारत और कोरिया के बीच गहरे ऐतिहासिक संबंधों को दर्शाता है, जो समकालीन सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए मंच तैयार करता है। आगामी भारत कोरिया संगीत महोत्सव, 12 मई को ऑडिशन के साथ शुरू होकर 14 से 16 जून तक नोएडा एक्सपो सेंटर में चलेगा, जो इस स्थायी बंधन का जीवंत प्रमाण है। संगीत, नृत्य और कला के माध्यम से, यह महोत्सव आपसी प्रशंसा और समझ को बढ़ावा देता है, दोनों देशों की साझा विरासत का सम्मान करता है।

प्रतिभा के प्रदर्शन से कहीं अधिक, भारत कोरिया संगीत महोत्सव शैक्षिक और आर्थिक सहयोग के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है। छात्रों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करके और उच्च शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देकर, यह युवाओं को व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए नए रास्ते तलाशने के लिए सशक्त बनाता है। इसके अतिरिक्त, यह महोत्सव भारत और कोरिया के लिए व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने, आर्थिक सहयोग और आपसी समृद्धि को सुविधाजनक बनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। संक्षेप में, भारत कोरिया संगीत महोत्सव भारत और कोरिया के बीच मित्रता और सहयोग की भावना को दर्शाता है, जो भविष्य के लिए नए रास्ते बनाते हुए उनके आपस में जुड़े इतिहास का जश्न मनाता है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सहयोग के माध्यम से यह महोत्सव न केवल प्रतिभागियों के जीवन को समृद्ध बनाता है, बल्कि इन दो गतिशील देशों को एक साथ बांधने वाले संबंधों को भी मजबूत करता है।

एमसीडी शिक्षक यूनियन ने शिक्षा विभाग पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के शिक्षा विभाग पर निगम के ही एक शिक्षक संगठन, शिक्षक न्याय मंच नगर निगम ने शिक्षा व्यवस्था में हो रही अनियमितताओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस संगठन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह खत्री ने मंगलवार को बताया कि निगम शिक्षा विभाग के आरआर बदलकर निदेशक शिक्षा का पद केवल ऑन डेपुटेशन से भरा जाएगा। इसके आदेश किए जो कि नियम विरुद्ध है इसका मतलब ये नहीं चाहते है कि कोई भी निगम शिक्षा विभाग का अधिकारी निदेशक शिक्षा के पद पर प्रमोशन ले सके। इनके इस आदेश से निगम शिक्षा विभाग में प्रमोशन पर बैठे अधिकारी का हक मारा गया जिस कारण उन्हें जगह जगह अपनी प्रमोशन के लिए आवाज उठानी पड़ रही है। निगम से प्राथमिक स्तर तक की मान्यता लेने वाले स्कूलों की मान्यता बिना किसी जमीनी जांच और मान्यता के लिए निर्धारित मापदंडों को पूरा किए दिए जाने के लिए निगम के सभी 12 जोनों के शिक्षा अधिकारियों पर दबाव बनाने की जांच की जानी चाहिए। इसमें बहुत बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है। वहीं, इस संबंध में दिल्ली नगर निगम के जनसंपर्क विभाग से शिक्षा विभाग की तरफ से पक्ष जानना चाहा तो उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। संगठन के अध्यक्ष खत्री ने बताया कि 2022 की जून, जुलाई और अगस्त माह में सैकड़ों ट्रांसफर हुए जिसमें भ्रष्टाचार हुआ जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी तत्कालीन शिक्षा निदेशक विकास त्रिपाठी की बनती थी, सब कुछ जानते हुए यह मामला दबाए रखा। इससे साफ है कि इस सब में इनका हाथ था तभी शिक्षकों के भारी संख्या में तबादले हुए जिसकी लिस्ट तक जारी नहीं की। सीधे शिक्षकों को बुलाकर एक एक घंटे में चुप चाप आदेश दिए गए। साथ ही इनके कार्यकाल में निगम स्कूलों की जमीनों पर चल रहे केसों को हारा गया।

मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी को लेकर लोगों में नाराजगी-आतिशी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने बुधवार को दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से प्रत्याशी सहीराम पहलवान के साथ गोविंदपुरी व कालकाजी में पदयात्रा की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमें दिल्ली के लोगों का प्यार मिल रहा है। हम अपनी पार्टी और सरकार के कामों को जनता के बीच रख रहे हैं। आज देश और दिल्ली की जनता देख रही है कि किस तरह से दिल्ली के मुख्यमंत्री को फर्जी मामले में गिरफ्तार करके जेल भेजा गया, जिससे कि वो चुनाव में प्रचार न कर सकें। आतिशी ने कहा कि पूरे विपक्ष को खत्म करने की साजिश रची जा रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के बाद से लोगों में गुस्सा है, जो हमें जनसंपर्क के दौरान जनता के बीच देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने दिल्ली की जनता के लिए तमाम काम किए हैं। मोहल्ला क्लीनिक, अच्छे स्कूल, महिलाओं के लिए बसों में मुफ्त सफर जैसी सौगात दिल्ली की सरकार ने दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने जनता के हितों में जो बेहतर काम किए हैं, वही काम केंद्र सरकार और भाजपा को पसंद नहीं है।

कंचन शर्मा मीना खन्ना ने बैठक ली

नई दिल्ली। शाहदरा विधानसभा महिला मोर्चा प्रभारी कंचन शर्मा एवम झिलमिल मंडल संयोजिका मीना खन्ना ने झिलमिल मंडल में बैठक की जिसकी अध्यक्षता झिलमिल मंडल अध्यक्ष कुसुम सिंह ने कंचन शर्मा, मीना खन्ना को पटका पहनाकर एवम शिवानी शर्मा ने कमल का फूल देकर सम्मानित किया। मंडल संयोजिका मीना खन्ना ने सभी बहनों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी उन्होंने कहा बड़ी संख्या में बहनों ने योजनाओं का लाभ उठाकर अपने अपने परिवार को लाभ पहुंचाया है बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, उज्जवला योजना, सुकन्या योजना का लाभ सभी को मिला है आज समय आ गया है हमारे परिवार को आगे बढ़ाने में सहयोग देने वाली पार्टी भारतीय जनता पार्टी के पूर्वी दिल्ली के उम्मीदवार को 25 मई को अपना वोट देकर मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने में सहयोग करे। कंचन शर्मा ने कहा प्रधानमंत्री आवास योजना से लाखो बहनों के नाम से मकान दिए गए है, शौचालय बनाने के लिए पैसा दिया गया है प्रधानमंत्री जी ने 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया है। बैठक में आई 43 बहनों में 22 बहने ऐसी थी जिनको उज्जवला योजना के अंतर्गत मुफ्त गैस सिलेंडर मिले है।

बच्ची के अपहर्ता को पुलिस ने गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। कोटला मुबारकपुर इलाके से आठ साल की बच्ची का अपहरण करने वाले आरोपी को पुलिस ने 24 घंटे में बुधवार को अंधेरिया मोड़, महरौली इलाके से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बच्ची को बरामद कर परिजनों को सौंप दिया है। आरोपी की पहचान अहमदाबाद, गुजरात निवासी अर्जुन उर्फ मोहम्मद उमर के रूप में हुई है। दक्षिणी दिल्ली पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि छह मई को कोटला मुबारकपुर पुलिस को आठ साल की बच्ची के अपहरण की पीसीआर कॉल मिली थी। बच्ची के पिता ने पुलिस को बताया कि किसी व्यक्ति ने उनकी बेटी का अपहरण किया है। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। बच्ची को बरामद करने के लिए स्पेशल स्टाफ, एएटीएस और स्थानीय कोटला मुबारकपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर एक संदिग्ध व्यक्ति बच्ची को अपने साथ ले जाता दिखाई दिया। फुटेज से पता चला कि आरोपी कुतुब मीनार मेट्रो स्टेशन के पास उतरकर अंधेरिया मोड़, महरौली की तरफ गया है। फिर वहां झुग्गियों में छापा मारकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह कांच के छोटे मोटे खिलौने बनाने का काम करता है। वह कांच लेने कोटला मुबारकपुर इलाके में गया था। वहां पर बच्ची को अकेला खेलते हुए देखा और अपने साथ लेकर चल दिया।

कश्मीर की शांति से परेशान है फारूक अब्दुल्ला जैसे नेता : जय भगवान गोयल

शहनवाज़ सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता श्री जय भगवान गोयल ने बताया कि जब से ही धारा 370, कश्मीर से हटाई गई है तब से ही कश्मीर में विकास, शिक्षा, व्यवसाय, रोजगार व खुशहाली, बड़ी ही तीव्र गति से बढ़ रहा है। पर्यटकों के निरंत्तर आगमन से तो पूरे कश्मीर की अर्थ व्यवस्था की एक दम वृद्धि हो गई है। पिछले सिर्फ एक वर्ष में ही कश्मीर में पर्यटकों की संख्या बढ़कर 2 करोड़ हो गई है, मगर ये बात राष्ट्रविरोधी व पाकिस्तानी प्रेमी, कश्मीर के नेताओं को कैसे हजम हो सकती है जो पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद की गतिविधियों में ही सम्मिलित होते आ रहे हैं। ज्यूं ही रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जी ने कहा कि 'पीओके पर अपना दावा नहीं छोड़ेंगे और वहां बलपूर्वक कब्जा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्यांकि कश्मीर के विकास को देखकर पीओके के लोग स्वयं ही भारत का हिस्सा बनना चाहेंगे' त्यूं ही पाकिस्तान प्रेमी, फारूक अब्दुल्ला जैसे नेता तिलमिलाने शुरू हो गए और अपने दिल में बसी हुई राष्ट्रविरोधी भावना को ये कहकर अभिव्यक्त कर दिया कि पाकिस्तान ने चूडियां नहीं पहनी है। यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट ने फारूक अब्दुल्ला के इस ब्यान की कड़ी निंदा की है व आज मौजपुर चौक पर फारूक अब्दुल्ला के पुतले का दहन करते हुए पुरजोर विरोध प्रदर्शन किया है। यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट के कार्यकर्ताओं ने तखतियां दिखाकर जिस पर फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ निम्नलिखित नारे लिखे हुए थे-

1. पीओके पर रक्षामंत्री के वक्तव्य पर भड़के फारूक अब्दुल्ला को पाकिस्तान भेजो-पाकिस्तान भेजो।

2. पीओके भारत का अभिन्न अंग है, हम उसे लेकर रहेंगे।

3. जिस-जिस का पाकिस्तान से ज्यादा प्रेम है उसे तत्काल पाकिस्तान भेज दो।

4. भारत में रहकर पाक के प्रवक्ता बनकर बात करने वाले गद्दारों की भारत में कोई जगह नहीं है।

5. धारा 370 हटाने का विरोध करने वाले फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती जम्मू-कश्मीर के लोगां के सबसे बड़े दुश्मन हैं।

विरोध प्रदर्शन करते हुए माननीय राष्ट्रपति को इस विषय पर सख्त कार्यवाही की मांग करते हुए एक ज्ञापन भी सौंपा है, जिसमें फारूक अब्दुल्ला की पाकिस्तान के आतंकवादियों के साथ मिलिभगत होने के कारण, उस पर राष्ट्रविरोधी मुकदमा चलाने व साथ ही साथ आमदनी से ज्यादा संपत्ति, धन दौलत रखने के लिए उच्च स्तरीय जांच की मांग भी की है और इससे भी बढ़कर मुख्य चुनाव आयुक्त से फारूक अब्दुल्ला का चुनाव लड़ने के अधिकार को ही समाप्त करने का अनुरोध भी किया है ताकि वह कोई भी चुनाव न लड़ सके। आज के इस विरोध प्रदर्शन में महेन्द्र मनचंदा, ईश्वर चौधरी, अवध कुमार, विनोद गुप्ता, निगम पार्षद अनिल गौड़, मौजपुर मंडल अध्यक्ष, धर्मेन्द्र, विजेन्द्र, मुकेश, रमाकांत, सांवर तायल, ममता, सुनील, अजय, काजल, शकुंतला, अशोक, गोविंद, सतीश, ज्योति, नेकसिंह, सुमन आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

ताहिर हुसैन को जमानत, पर जेल से बाहर नहीं आएगा

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हिंसा से जुड़े एक मामले में आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को कड़कड़डूमा कोर्ट ने जमानत दे दी। अदालत ने पाया कि वर्तमान मामले में सुनवाई लंबे समय तक चलनी है। इसके अलावा चार प्रत्यक्षदर्शियों से आमना-सामना कराया जाना है। मामले की अगली सुनवाई सितंबर में होनी है। लंबी कार्रवाई को देखते हुए अदालत ने 25 हजार रुपये के निजी मुचलके पर सशर्त जमानत दे दी है, लेकिन कई अन्य मामलों में जमानत न मिलने के कारण ताहिर हुसैन अभी जेल में ही रहेगा। वर्तमान मामले में शिकायतकर्ता करन ने आरोप लगाया कि 25 फरवरी 2020 को आरोपी ताहिर हुसैन ने अपने 40 से 50 साथियों के साथ उनकी अमन ई-रिक्शा कंपनी पर हमला बोल दिया। आगजनी और लूटपाट के दौरान करीब 25 से 30 लाख रुपये का नुकसान हुआ। आरोप लगाया कि ताहिर हुसैन ने योजना बनाकर पीड़ित की दुकान पर हमला किया। बचाव पक्ष के वकील ने अदालत में कहा कि आरोपी तीन साल 11 माह से जेल में बंद है। इस दौरान अभी तक आरोपी की संलिप्तता केस में साबित नहीं हुई है। इस मामले में अगली सुनवाई भी सितंबर में होनी है। इसका विरोध करते हुए अभियोजन पक्ष ने कहा कि जमानत मिलने पर ताहिर हुसैन गवाहों को प्रभावित कर सकता है, लेकिन अदालत ने सोमवार को हुई सुनवाई में आरोपी को देश छोड़कर न जाने और गवाहों को प्रभावित न करने की शर्त पर 25 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी।

ताहिर पर 11 मामले दर्ज

ताहिर हुसैन पर दिल्ली हिंसा के दौरान आगजनी, हत्या के प्रयास, आईबी अधिकारी की हत्या, यूएपीए समेत कुल 11 मामले दर्ज हैं। अलग-अलग मामलों में हाईकोर्ट ने ताहिर हुसैन की कई जमानत आवेदन खारिज किए हैं। ताहिर हुसैन को अब तक हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट से कुल चार मामलों में जमानत मिल चुकी है। हालांकि, आईबी अधिकारी की हत्या और धन शोधन मामले में ताहिर हुसैन की जमानत हाई कोर्ट से खारिज हो चुकी है। ऐसे में जमानत मिलने के बाद भी ताहिर हुसैन को जेल में रहना होगा।

अस्थमा के प्रति जागरुकता के लिए स्वास्थ्य विभाग ने की कार्यशाला

गुरुग्राम। बुधवार को विश्व अस्थमा दिवस पर सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सीएमओ डा. विरेंद्र यादव ने शिरकत की। सीएमओ ने कहा है कि अस्थमा एक जानलेवा बीमारी है और सतर्कता से ही इस संक्रामक रोग से दूर रहा जा सकता है। सीएमओ डा. विरेंद्र यादव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने अस्थमा की रोकथाम के लिए गुरुग्राम जिला में जागरुकता अभियान चलाया हुआ है। उन्होंने कहा कि दुनिया में करीब दो करोड़ 60 लाख श्वास की बीमारी से पीड़ित होते हैं। इनमें से हर साल 4.5 लाख मरीजों की मौत हो जाती है। उन्होंने कहा कि फेफड़ों के आसपास छाती में जलन और जकडन् से यह बीमारी पैदा होती है। जिसमें फेफड़े निरंतर कमजोर होते चले जाते हैं तथा मरीज को सांस लेने में परेशानी होने लगती है। गुरुग्राम में विगत एक साल में दो हजार 866 अस्थमा पीड़ित मरीजों का ईलाज शुरू किया गया। इनकी जांच के लिए अस्पतालों में स्पीरोमीटर उपलब्ध करवाए गए। उन्होंने बताया कि नर्सिंग स्टाफ की सहायता से नुक्कड़ नाटक और जनचेतना अभियान चलाकर लोगों को अस्थमा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके अलावा नागरिकों को स्वच्छ वातावरण में रहने व सही ढंग से सांस लेने की विधि के बारे में बताया जाता है। इस अवसर पर पीएमओ डा. जयमाला, डिप्टी सीएमओ डा. प्रिया शर्मा, डा. अनुज गर्ग, डा. मनीष राठी, डा. नवीन इत्यादि उपस्थित रहे।

मानेसर के स्कूली छात्रों को नशा ना करने के लिए किया गया प्रेरित

गुरुग्राम। नशे के प्रति जागरुकता के लिए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मानेसर में एक दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 520 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो प्रमुख ओपी सिंह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के दिशा-निर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक पंखुरी कुमार के मार्गदर्शन में निरंतर नशे के विरुद्ध जागरुकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। यह कार्यक्रम इसी का हिस्सा रहा। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या शिप्रा के साथ रितु कटारिया, ईशा, मेनका, सतपाल, सतीश, अनिल, जोगिंद्र, भृगु आदि शिक्षक मौजूद रहे। ब्यूरो के जागरुकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप-निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने नशे से दूर रहने के लिए विद्यार्थियों को जागरुक किया। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां प्रतिबंधित नशा मनुष्य के लिए घातक है, वहीं दूसरी ओर तम्बाकू उत्पाद व मदिरा आदि भी समाज और राष्ट्र के लिए एक बुराई है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों को सांझा करते हुए कहा कि पूरे संसार में एक वर्ष में औसतन 70 लाख लोग तम्बाकू के सेवन से मरते हैं, जबकि भारत में औसतन प्रतिवर्ष 17 लाख लोगों की मृत्यु तम्बाकू के कारण होती है। शराब के नशे में व्यक्ति अपराध करता है, लेकिन सूखा नशा मनुष्य के मस्तिष्क को इतना अधिक प्रभावित करता है कि ऐसा व्यक्ति हिंसक हो जाता है। नशे के प्रभाव में वह कोई भी अपराध कर सकता है। डॉ. वर्मा ने आगे कहा कि राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि 90 प्रतिशत अपराधों की जड़ केवल और केवल नशा है।

बदलो पुराना एसी, नए पर मिलेगी 63% की छूट

नई दिल्ली,एजेंसी। गर्मी में बिजली की खपत कम करने के लिए बिजली कंपनियों ने अनूठी पहल की है। इसके तहत दिल्ली की बिजली वितरण कंपनियों ने उपभोक्ताओं के लिए एसी रिप्लेसमेंट योजना शुरू की है। इसके तहत उपभोक्ता पुराने को बदलकर फाइव-स्टार एसी अपने घर में लगवा सकते हैं। नए एसी पर 63 फीसदी तक की छूट भी मिलेगी। योजना के तहत ऑफर बड़े ब्रांड के एसी पर दिया गया है। पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर योजना चलेगी। यह घरेलू उपभोक्ताओं के लिए है। एक घरेलू उपभोक्ता एक सीए नंबर पर अधिकतम तीन एसी ले सकता है। बिजली वितरण कंपनियों का कहना है कि नए एसी से उपभोक्ता सालाना 3, 000 यूनिट से अधिक तक की बिजली बचा सकता है। इतनी यूनिट बिजली बचने पर उपभोक्ता को सालाना 29, 000 रुपये से अधिक तक की बचत होगी। हालांकि, यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि उपभोक्ता एसी का उपयोग किस तरह से

कर रहा है और वह किस प्रकार के एसी का इस्तेमाल कर रहा है।

इस तरह उठाएं योजना का लाभ

दक्षिण व पश्चिमी दिल्ली निवासी उपभोक्ता बीआरपीएल के हेल्पलाइन नंबर 19123 पर संपर्क कर सकते हैं। बीएसईएस की वेबसाइट पर भी यह उपलब्ध है। पूर्वी व मध्य दिल्ली निवासी उपभोक्ता बीवाईपीएल के हेल्पलाइन नंबर 19122 पर या 011-40746103 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके बाद एसी कंपनी के संबंधित अधिकारी, पैनल किए गए वेंडरों के माध्यम से उपभोक्ता से संपर्क करेंगे। बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, सामान्यतया यह देखने में आया है कि एक उपभोक्ता के कुल बिल का 50 प्रतिशत हिस्सा कूलिंग लोड का होता है। बीएसईएस की एसी योजना डिमांड साइड मैनेजमेंट से जुड़ी पहल है, जिससे उपभोक्ताओं की बिजली खपत में कमी आएगी और पर्यावरण को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी।

बिजली चोरी के मामलों के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत 11 को

टाटा पावर की तरफ से 11 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन की घोषणा की गई है। यहां उपभोक्ता बिजली से संबंधित मामलों का तत्काल निपटारा करा सकेंगे। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक रोहिणी सेक्टर-13 के समीप शिविर लगेगा। इसमें भाग लेने के लिए उपभोक्ताओं को 19124 डायल करना होगा। eac.care@tatapower-ddl.com पर ईमेल भेजकर पंजीकरण उपभोक्ता करा सकेंगे। उपभोक्ता अपने बिलों का भुगतान डिमांड ड्राफ्ट, चेक, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, ऑनलाइन या कैश जैसे विभिन्न माध्यमों से कर सकते हैं।

भाजपा प्रत्याशी को 10 लाख से हराने का काम करेगी जनता : मनधीर सिंह मान

फरीदाबाद। फरीदाबाद के पृथला विधानसभा के गांव धतीर पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनधीर सिंह मान मेले में संबोधित करते हुए मनधीर सिंह मान ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ भाजपा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर है। जिन्होंने फरीदाबाद में चाहे स्मार्ट सिटी या फिर लोगों के अन्य मुद्दों को लेकर जो वादे किए थे. आज तक पूरे नहीं किया। जनता इस बार भाजपा से परेशान है और अपना वोट की ताकत से इस बार जनता सत्तारूढ़ सरकार को बाहर का रास्ता दिखाएगी। 10 लाख का नारा देने वाले भाजपा प्रत्याशी की इस बार 10 लाख से हार होनी तय है। मान ने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार ने फरीदाबाद लोकसभा प्रत्याशी चौधरी महेंद्र प्रताप पर बड़ा भरोसा जताया है मनधीर सिंह मान आगे कहा कि फरीदाबाद लोकसभा प्रत्याशी चौ. महेंद्र प्रताप जो कि साफ छवि के नेता हैं, ईमानदार हैं, 7-7 मंत्रालय होने के बावजूद भी बेदाग दामन है। अब यह फैसला जनता को करना होगा , जनता अपना कीमती वोट देकर फरीदाबाद को आगे ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए कांग्रेस प्रत्याशी चौधरी महेंद्र प्रताप को वोट दें. इस मौके पर मनधीर सिंह मान ने कहा कि देश और प्रदेश में कांग्रेस की लहर चल रही है आने वाला समय में देश और प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। दरअसल, आज मनधीर सिंह मान पृथला विधानसभा के फुल डोर मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनधीर सिंह मान बतौर मुख्याथि पहुंचने पर पगड़ी बांधकर और फूलमालाओं से स्वागत किया इस कार्यक्रम में अलग-अलग गांव से लोगों ने शिरकत की फूलडोर मेला ऐतिहासिक मेला है जो हर साल की भांति इस साल भी बड़े धूमधाम से मनाया गया है।

अंतरिक्ष बिल्डर ने बिजली का कटा कनेक्शन, अंधेरे में सोसायटी...निवासियों ने किया प्रदर्शन

शोएब आलम,संद्भावना टुडे

नोएडा। सेक्टर-77 स्थित अंतरिक्ष फॉरेस्ट सोसायटी में बिजली आपूर्ति को लेकर विवाद शुरू हो गया है। सोसाइटी की अभी तक रजिस्ट्री नहीं हुई है, इसलिए मेंटेनेंस अभी बिल्डर के पास है। हाल ही में बिल्डर ने बिना किसी उचित योजना के बिजली का बिलिंग सिस्टम पोस्टपेड से प्रीपेड कर दिया, जिससे बिजली अचानक कट गई और पूरी सोसायटी में अफरा-तफरी मच गई। इसके विरोध में निवासियों ने मेंटिनेंस ऑफिस के बाहर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। साथ ही बिजली कनेक्शन को मल्टीपॉइंट करने के साथ-साथ रजिस्ट्रेशन शुरू करवाने की मांग की।

निवासी मुकेश कुमार शर्मा ने कहा, विद्युत विभाग द्वारा जारी किए गए एक नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि बिल्डर बिजली बिल के अलावा किसी अन्य बकाया के लिए उपभोक्ता का बिजली कनेक्शन नहीं काट सकता है। लेकिन बिल्डर द्वारा अनियमित रूप से सोसायटी निवासियों का बिजली कनेक्शन काट दिया गया है। इसके विरोध में सोसायटी के निवासियों ने विद्युत निगम के मुख्य अभियंता को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें सोसायटी में जल्द ही कैंप लगाकर

मल्टीपॉइंट कनेक्शन देने की मांग की।

निवासी सुखपाल सिंह तूर ने बताया कि सोसायटी में 637 फ्लैटों में हज़ारों निवासी रहते है। लागतार बिजली कट जाने के कारण वर्क फ्रॉम होम कर रहे लोगों, बच्चों और सीनियर सिटीजन को परेशानी झेलनी पड़ रही है। निवासियों को प्रीपेड बिजली के बिल के साथ मेंटेनेंस भी कटने लगा। उन्होंने ने बताया कि बिल्डर ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में सिंगल पॉइंट कनेक्शन की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था। विद्युत निगम ने कोर्ट को बताया था कि अब मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में सिर्फ मल्टीपॉइंट कनेक्शन देने का प्रावधान है।

एक्शन मोड में नोएडा सीईओः लोकेश एम ने भंगेल एलिवेटेड रोड का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे संवाददाता

नोएडा। नोएडा अथॉरिटी के सीईओ ने आज भंगेल एलिवेटेड रोड का निरीक्षण किया है। करीब चार साल पहले इस एलिवेटेड रोड का काम शुरू हुआ था। मात्र साढ़े चार किलोमीटर की इस रोड को बनने में अड़चने है कि खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। समय के साथ लागत बढ़ती चली गयी वहीं, नई परेशानियों से यह एलिवेटेड रोड बनने का नाम नहीं ले रहा है। इसको लेकर अब नोएडा प्राधिकरण सीईओ सख्त है कुछ दिनों पहले उन्होंने सेतु निगम की लापरवाही पर जुर्माना भी लगाया था। सीईओ लगातार इस परियोजना का जायजा ले रहे है। इसी क्रम में आज बुधवार को नोएडा सीईओ लोकेश एम भंगेल एलिवेटेड के बरौला टीपॉइंट पहुंचे जहां उन्होंने काम का जायजा लिया। वहीं, काम को जल्द खत्म करने के निर्देश भी दिए है।

एलिवेटेड रोड की लागत को लेकर उपजे विवाद के कारण इसका काम सात महीने तक बंद पड़ा था। अधिकारियों का दावा है कि अब इसका काम तेजी से चल रहा है। एलिवेटेड रोड के बनने से भंगेल-सलारपुर का जाम खत्म हो जाएगा। आपको बता दें कि इस एलिवेटेड रोड का निर्माण आठ जून 2020 को शुरू हुआ था। प्रस्तावित प्लान के तहत एलिवेटेड रोड का काम सात दिसंबर 2022

तक पूरा कर लिया जाना चाहिए था। लेकिन, इस एलिवेटेड रोड के काम शुरू होने के चार साल बाद भी 70 प्रतिशत ही काम पूरा हो पाया है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने अपनी टीम के साथ भंगेल एलिवेटेड रोड पर पहुंचे जहां पर उन्होंने काम का जायजा लिया है वहीं, इसके काम को जल्द से जल्द करने के निर्देश दिए हैं।

छलेरा से सेक्टर-82 तक जाम को खत्म करने के लिए भंगेल एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य शुरू किया था। इसका निर्माण उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम करवा रहा है। नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में एलिवेटेड रोड की लागत बढ़ाए जाने पर सहमति दी गई थी। इसको देखते हुए प्राधिकरण स्तर पर एक समिति गठित कर नए सिरे से लागत तय करने के निर्देश दिए गए। उसके बाद सेतु निगम और प्राधिकरण अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें लागत पर सहमति नहीं बन सकी। ऐसे में प्राधिकरण के सीईओ ने बजट को लेकर नए सिरे से प्रस्तुतीकरण रिपोर्ट देने को कहा था। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि एलिवेटेड रोड के काम के लिए किए गए कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार, स्टील की कीमत 77 करोड़ रुपए बढ़ रही है। इसके अलावा 20 करोड़ रुपए सीमेंट और दूसरी सामग्री की बढ़ी है। सामान की मात्रा बढ़ने पर इसकी लागत 97 करोड़ 30 लाख रुपए बढ़ गई है। हलांकि इसके बाद अब सेतु निगम इसको बनाने में लगा हुआ है।

खाने के शौकीन के लिए खुशखबरीः नोएडा एक्सप्रेसवे के किनारे बनेगा एनसीआर का पहला फूड जोन

शहजाद सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नोएडा। अगर आप भी लजीज खाना खाने के शौकीन हो तो अच्छी खबर है। नोएडा में एनसीआर का पहला फूड जोन बनने जा रहा है। इसकी शुरुआत नोएडा अथॉरिटी ने की है। प्राधिकरण की तरफ से दो स्थानों पर स्ट्रीट फूड कियोस्क बनाए जाएंगे। पहला सेक्टर-98 में स्काई मार्क मॉल के सामने और सेक्टर-37 में भी लगभग 16 कियोस्क बनाए जाएंगे। यहां पर सभी प्रकार के लजीज व्यंजन खाने को मिलेंगे। इसका कॉन्सेप्ट अधिकारियों के समक्ष रखा गया है। कुछ संशोधनों के बाद इसे मंजूरी दी जाएगी।

तीन तरफ से खुले होंगे कियॉस्क

नोएडा एक्सप्रेसवे के नजदीक सेक्टर-98 और सेक्टर-37 में लगभग 16 कियोस्क बनाए जाएंगे। जिसे न्यू टाउन की तरह डिजाइन किया गया है। सेक्टर-98 में 300 मीटर लंबे स्पेस में करीब 20 कियोस्क बनाए जाएंगे। ये कियोस्क पूरी तरह से ग्लास और लकड़ी से बनाए जाएंगे, जो तीन तरफ से खुले होंगे। यहां पर कियोस्क नोएडा की इंडस्ट्रियों को दर्शाएंगे। साथ ही कार पार्किंग की सुविधा होगी, जिससे लोग आराम से बैठकर स्ट्रीट फूड का आनंद ले सकेंगे। यह शहर में अलग तरह का पहला कॉन्सेप्ट

होगा।

प्राधिकरण को मिलेगा राजस्व

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि नोएडा एक्सप्रेसवे के बिल्कुल बराबर में फूड जोन स्थापित होगा। जो भी व्यक्ति नोएडा एक्सप्रेसवे के जरिए शहर में आएगा, वह इस फूड जोन में जाकर लजीज खाना खा सकता है। इसके लिए क्योस्क बनाए जाएंगे। इनके आवंटन की प्रक्रिया पर जल्द निर्णय लिया जाएगा। इस प्रोजेक्ट से लोगों को रोजगार और प्राधिकरण को राजस्व प्राप्त होगा।

वाहन की टक्कर से बाइकसवार की मौत

फरीदाबाद। झाड़सैतली गांव के निकट नेशनल हाइवे पर मंगलवार की देर रात एक बाइकसवार युवक को तेज़ रफ़्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइकसवार युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बताया 35 वर्षीय रिंकु फील्ड की जॉब करता था। मंगलवार देर रात को रिंकू जॉब से जाजरू स्थित गड्ढा कालोनी स्थित अपने घर लौट रहा था, तभी झाड़सैतली गांव के निकट तेज़ रफ़्तार से आ रहे किसी वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और सड़क पर ही तड़पता रहा फिर उसकी मौत हो गई। रिंकू के परिजनों का कहना है कि दुर्घटना के बाद वहां मौजूद लोगों ने उसकी मदद नहीं की। यदि उसे समय से अस्पताल ले जाया गया होता तो शायद उसकी जान बच गई होती। पुलिस ने परिजन की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सेक्टर 58 थाना पुलिस के इंस्पेक्टर अनूप सिंह ने बताया कि पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट आने के बाद तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

जून में बिग क्रिकेट लीग टी-20 के होंगे मुकाबले

नोएडा। नोएडा में अगले महीने यानी जूनी में बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) के मुकाबले होंगे। बुधवार को औपचारिक घोषणा की गई। इस सत्र में 6 टीमे हिस्सा लेंगी। इन टीमों में करीब 30 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी खेलते दिखेंगे। वहीं 18 पूर्व प्रथम श्रेणी खिलाड़ी और 60 भारतीय क्रिकेटर होंगे। टीमों के बीच 18 लाइव टी-20 मुकाबले खेले जाएंगे। इसकी शुरुआत लखनऊ में होगी। सेक्टर-18 स्थित एक होटल में बीसीएल के संस्थापक और अध्यक्ष पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रुद्र प्रताप सिंह ने कहा कि इस बार भारत समेत 30 से अधिक देशों में टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इसका लाइव प्रसारण किया जाएगा। बीसीएल महत्वाकांक्षी लोकल क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने और अपने हीरोज के साथ क्रिकेट खेलने का अभूतपूर्व अनुभव देगा। उद्घापटन सत्र में 6 टीम अवध लायंस, मुंबई मरीन्स, राजस्थान किंग्स, सदर्न स्पार्टन्स, बंगाल सानोस और नॉर्दर्न चैलेंजर्स आमने-सामने होंगी। पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने कहा कि यह सिर्फ एक क्रिकेट लीग नहीं बल्कि देश की उन तमाम प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने के बारे में जिन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के मौके नहीं मिले। ये लीग भारत में क्रिकेट प्रतिभा के अविश्वसनीय खजाने को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने के बारे में है। पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ियों और स्थानीय प्रतिभाओं का मेल ही बीसीएल को अन्य क्रिकेट लीग से अलग करता है। बीसीएल के वाइस प्रेसिडेंट पूर्व वेस्टइंडीज के कप्तान कर्टनी वॉल्श ने कहा कि इस सीरीज में हम बेहतरीन मैच देखेंगे। ये क्रिकेट लीग दुनिया भर के खिलाड़ियों की नई पीढ़ी को प्रेरणा देगी। उन्होंने बताया कि इस बार पूर्व क्रिकेट खिलाड़ियों के अलावा स्थानीय खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया के लिए रजिस्ट्रेशन प्रोसेस किया गया। कुल 28 हजार रजिस्ट्रेशन हुए।

कुणाल शर्मा हत्याकांडः पुलिस के खिलाफ नारों से गूंजा ग्रेटर नोएडा क्लेक्ट्रेट

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी। राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ में कुणाल हत्याकांड को लेकर भयंकर आक्रोश है। इसी को लेकर ब्राह्मण समाज के लोगों ने बुधवार को ग्रेटर नोएडा में स्थित क्लेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पुलिस कमिश्नर मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। ब्राह्मण समाज ने कुणाल शर्मा के हत्यारों को कड़ी सजा देने की मांग की है। कुणाल के रिश्तेदार सचिन शर्मा को थाना बीटा टू में अवैध हिरासत में रखकर यातना देने वाले पुलिस कर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। कहा है कि अगर एफआईआर दर्ज नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा।

राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने कहा, गौतमबुद्ध नगर जिले का ब्राह्मण समाज इस समय बेहद परेशान है। एक मई 2024 की दोपहर ग्रेटर नोएडा शहर में ढाबा संचालित करने वाले ब्राह्मण कृष्ण कुमार शर्मा के बेटे कुणाल का कार सवार अज्ञात बदमाशों ने अपहरण कर लिया था। इस घटना की शिकायत लेकर कृष्ण कुमार शर्मा और उनके परिजन बीटा टू थाने पहुंचे, लेकिन थानाध्यक्ष का व्यवहार सहयोगात्मक नहीं था। उन्होंने अपहरण की घटना को फर्जी करार दिया। थानाध्यक्ष ने मुकदमा दर्ज करने से लेकर बच्चे की बरामदगी के लिए प्रयास करने में बेहद लापरवाही बरती, जिसकी वजह से शुरुआती कीमती समय बर्बाद हो गया। प्रमोद शर्मा ने आगे बताया, जब कृष्ण कुमार शर्मा और उनके परिवार ने थानाध्यक्ष

से लेकर ऊपर वाले अधिकारियों को निवेदन किया तो थानाध्यक्ष ने परिवार के ही सदस्यों को हिरासत में ले लिया। चार दिनों तक परिवार के कई सदस्यों को थाने में बुरी तरह टॉर्चर किया गया, जिससे एक नाबालिग लड़के को बेहद गंभीर चोट आई हैं। वह कई दिनों से अस्पताल में भर्ती है। नाबालिग लड़के के गुप्तांग और शरीर के अंदरूनी हिस्सों में गंभीर चोटें हैं। उसे बुरी तरह पीटा गया है, जिसकी वजह से वह चलने-फिरने में भी अक्षम हो गया है। मासूम का भी जीवन बर्बाद हो गया है।

इस मामले में राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के जिलाध्यक्ष प्रिंस पंडित ने कहा, इस पूरे प्रकरण को दबाने के लिए गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने लीपापोती की है। गौतमबुद्ध नगर के ब्राह्मण समाज को स्थानीय स्तर पर पुलिस से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कहा, योगी आदित्यनाथ ने गौतमबुद्ध नगर में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू करके अपराध और अपराधियों को खत्म करने का काम किया, लेकिन पिछले 4 महीनों में एक के बाद एक तीन व्यापारियों के बच्चों का अपहरण और हत्या की गई है। कुणाल शर्मा से पहले दक्ष लोहिया और वैभव सिंघल के अपहरण के बाद हत्या हुई थी। इन जघन्य अपराधों से भी गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने कोई सबक नहीं लिया। जिम्मेदार पुलिस अफसरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ का कहना है, कुणाल शर्मा हत्याकांड को लेकर गौतमबुद्ध नगर के आम आदमी में फ़िकर है। मंगलवार को व्यापारी समाज ने भी मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखकर चिंता ज़ाहिर की। ऐसे हालात में गौतमबुद्ध नगर का कारोबारी, व्यापारी और उद्यमी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। कुल मिलाकर गौतमबुद्ध नगर में गिरती क़ानून व्यवस्था आम आदमी की पेशानी पर पसीना ला रही है। अब देखना है कि पुलिस के ज़िम्मेदार अफ़सर इस चिंता की कितनी फिक्र करते हैं।

जन जागरूकता रोकेगी चुनावी स्तर में गिरावट

विश्वनाथ सचदेव

वे तीनों पढ़े-लिखे हैं। कहना चाहिए उच्च शिक्षा प्राप्त हैं। उनमें से दो पत्रकार हैं और तीसरा एक बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन में उच्च अधिकारी। इन तीनों में हो रही बातचीत देश में चल रहे चुनाव के बारे में थी और तीनों इस बात पर चिंता प्रकट कर रहे थे कि दुनिया का सबसे बड़ा जनतांत्रिक देश होने का दावा करने वाले देश में चुनाव का स्तर इतना नीचा क्यों होता जा रहा है। देश में मतदान का तीसरा दौर पूरा हो चुका है। बाकी के चार दौर भी शीघ्र ही समाप्त हो जाएंगे। चार जून को मतदान का परिणाम भी सामने आ जायेगा। तब मतदाता तय कर लेगा कि किसको सत्ता में बिठाना है और किसे विपक्ष की भूमिका देनी है। चुनाव जनतंत्र का उत्सव ही नहीं होते, जनतंत्र की प्राणवायु भी होते हैं। और उन तीन जागरूक नागरिकों की चिंता भी इसी बात को लेकर थी कि देश में चुनाव प्रचार का घटता स्तर इस प्राणवायु में ज़हर घोल रहा था। ज़हर घोलने जैसे शब्द कुछ कठोर लग सकते हैं, लेकिन चुनाव-प्रक्रिया के आगे बढ़ने के साथ-साथ जिस तरह चुनाव प्रचार की भाषा का स्तर गिरता जा रहा है, उसे देखकर देश के बुद्धिजीवियों के आकलन को अनदेखा करना भी ग़लत होगा। सही यह भी है कि आम मतदाता भी इस गिरते स्तर से स्वयं को कुछ ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

भाजपा में चुनाव प्रचार की प्रक्रिया बहुत पहले शुरू हो गई थी। इसकी तुलना में विपक्ष बहुत पीछे था। कारण कुछ भी रहे हों, विपक्ष की यह स्थिति भाजपा को अति विश्वास की तरफ ले जा रही थी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा के प्रचार-महारथी बड़े विश्वास के साथ 'अब की बार चार सौ पार' का नारा लगा-लगवा रहे थे। यह नारा तो अब भी चुनावी-सभाओं में सुनाई दे जाता है, पर आवाज में एक अविश्वास भी झलकने लगा है। जिन तीन बुद्धिजीवियों की बात प्रारंभ में की गई है, उनका यह भी मानना है कि समूचे चुनाव प्रचार में अब एक अंतर्धारा भी प्रवाहित हो रही है। और यह 'तथ्य' सत्तारूढ़ पक्ष के नेतृत्व को भी पता लग रहा है। शायद यही कारण है कि उसके चुनावी सिपहसालार प्रचार के पुराने हथियारों को उठाने की आवश्यकता महसूस करते लग रहे हैं। स्वयं प्रधानमंत्री की भाव-भंगिमा और शब्दावली भी इसी ओर इशारा कर रही है। फिर से 'शहजादा' शब्द उन्हें ज़रूरी लगने लगा है। इस बार कांग्रेस भी कुछ ऐसी शब्दावली काम में लेने की रणनीति अपना रही है। कांग्रेस की एक नेता प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री के शहजादा-वार के जवाब में 'शहंशाह' शब्द को तीर बनाया है। शहजादा और शहंशाह के इस मुकाबले में चुनाव के सही मुद्दे उपेक्षित होते लग रहे हैं। यही नहीं, भाजपा के नेतृत्व द्वारा वर्षों पुरानी बातों को फिर से सामने लाना भी इसी बात का संकेत है कि सत्तारूढ़ दल को अपने किये पर उतना भरोसा नहीं लग रहा, जितना पिछली सरकारों के अनकिये का लाभ मिलने पर है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अल्पसंख्यकों का 'पहला अधिकार' वाला अठारह साल पहले वाला बयान प्रधानमंत्री मोदी को अब फिर उपयोगी लग रहा है। इसी तरह 'तुष्टीकरण' वाली बात भी फिर जोर-शोर से उठायी जा रही है। राम मंदिर के नाम पर कांग्रेस के नेतृत्व को घेरने की कोशिश भी फिर से शुरू हो गयी है। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस को, राम विरोधी बताकर एक बार फिर हिंदुत्व को हथियार बनाने की नीति का पालन हो रहा है। कुछ बीजेपी समर्थक तो यह भी कह रहे हैं कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य अब पूरा होता तो कुछ अधिक चुनावी लाभ मिलता! देश की सारी चुनावी-राजनीति इसी लाभ को केंद्र बनाकर चल रही है। हमारे राजनेता यह भूल रहे हैं कि राजनीति सत्ता के लिए नहीं सेवा के लिए होनी चाहिए। होना तो यह चाहिए था कि सत्तारूढ़ दल अपने दस साल के कार्यकाल का हवाला देकर फिर से मतदाता का समर्थन मांगता, पर हो कुछ और ही रहा है। हवाला इस बात का दिया जा रहा है कि पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की नीतियों के परिणामस्वरूप ही आज के प्रधानमंत्री को काम करने में दिक्कत हो रही है। चुनाव प्रचार के स्तर का लगातार गिरना भी यही दर्शाता है कि हमारी आज की राजनीति सही मुद्दों को अनदेखा कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई, बेरोज़गारी जैसे ज़रूरी मुद्दों की जगह हमारी राजनीति सांप्रदायिकता का सहारा लेने के लिए जैसे बाध्य हो रही है। संप्रदाय विशेष को 'घुसपैठिए' और 'बच्चे पैदा करने वाली मशीन' बताने वाले एक घटिया राजनीति का उदाहरण ही प्रस्तुत कर रहे हैं। बहुसंख्यकों की संपत्ति को अल्पसंख्यकों को बांटने की 'साजिशों' की बात करना भी हमारी राजनीति के हल्केपन को ही उजागर करता है। बहरहाल, यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना ज़रूरी है कि भाजपा के चार सौ पार वाले नारे ने अल्पसंख्यकों और वंचित वर्ग के मन में एक डर भी पैदा कर दिया है।

उन्हें लग रहा है कि लोकसभा में चार सौ से अधिक का बहुमत पाकर भाजपा संविधान को बदलने की स्थिति में आ सकती है। यह सही है कि भाजपा का शीर्ष-नेतृत्व बार-बार इस बात को दुहरा रहा है कि संविधान नहीं बदला जायेगा, और न ही पिछड़ों के अधिकार छीने जाएंगे, लेकिन भाजपा के ही कई नेता इस आशय की बात करते रहे हैं और अब भी कर रहे हैं। ऐसे में मतदाता का शंकालु होना स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री समेत अन्य नेताओं के चुनाव प्रचार में आ रही गिरावट भी चिंता का विषय होनी चाहिए। यह बात कम महत्वपूर्ण नहीं है कि चुनाव आयोग के समक्ष इस गिरते स्तर की शिकायतें लगातार पहुंच रही हैं। यह पहली बार है जब चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री के खिलाफ मिली ऐसी शिकायत को लेकर प्रधानमंत्री के दल के अध्यक्ष को आगाह किया है। ऐसी कार्रवाई कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के खिलाफ भी हुई है। यह भले ही एक प्रकार का संतुलन बनाने की कोशिश हो, पर निश्चित रूप से यह चिंता की बात है कि हमारी राजनीति का स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है। सारे प्रावधानों के बावजूद हमारे राजनेता घटिया भाषा और घटिया भावों के सहारे राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे। विडंबना यह भी है कि ऐसे घटिया आचरण को रोक पाने में संबंधित एजेंसियां विफल सिद्ध हो रही हैं। हैरानी की बात है कि प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई की शिकायत पर चुनाव आयोग ने इन दोनों से पूछताछ के बजाय इनके दलों के अध्यक्षों को पत्र लिखा! चुनाव प्रचार का यह हल्का स्तर हमारे मीडिया की करनी पर भी सवाल उठाता है। होना तो यह चाहिए था कि ऐसे आचरण की आलोचना हमारा मीडिया करता, पर हो यह रहा है कि मीडिया ऐसी बातों को प्रचारित करने में मददगार सिद्ध हो रहा है! इस घटिया राजनीति का विरोध होना ही चाहिए। और यह विरोध जागरूक मतदाता को ही करना है। मतदाता की जागरूकता जनतंत्र की सफलता-सार्थकता की पहली शर्त है। उम्मीद की जानी चाहिए कि मुंबई के तीन बुद्धिजीवी जिस अंतर्धारा की बात कर रहे थे उसके मूल में यह जागरूकता प्रवाहित हो रही है।

युद्ध की सबसे बड़ी कीमत चुका रहे हैं हमले में अभिभावकों को गंवा चुके फलस्तीनी बच्चे। दिन भर पंक्ति में खड़े रहने के बावजूद उन्हें दो वक्त का भोजन-पानी तक नसीब नहीं हो पाता। भोजन व आवश्यक चिकित्सीय सुविधाओं के अभाव में हज़ारों मासूम बच्चे कुपोषण का शिकार हो चुके हैं। युद्ध के दौरान जन्मे बच्चों की स्थिति तो और भी शोचनीय है। मीडिया की रिपोर्टानुसार, 17 अप्रैल तक गाजा के अस्पतालों में कुपोषण के कारण जान गंवाने वाले 12 साल से कम आयुवर्ग के बच्चों की संख्या 28 रही, जिनमें एक माह से कम उम्र के 12 बच्चे शामिल थे। अंतर्राष्ट्रीय शांति प्रयासों के बावजूद, इस्राइल-हमास के मध्य युद्धविराम पर समझौता संभव नहीं हो पाया। हालांकि हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान, हमास राजनेता खलील अल-हया द्वारा रखे गए संधि प्रस्ताव के दृष्टिगत संभावनाएं पनपी तो हैं। अल हया के मुताबिक़, अगर 1967 के पहले वाली सीमाओं के तहत स्वतंत्र फलस्तीन देश की स्थापना होती है तो न केवल हमास हथियार डाल देगा बल्कि ख़ुद को मात्र एक राजनीतिक दल में बदल लेगा। उन्होंने पांच वर्ष या उससे अधिक समय के लिए युद्धविराम पर राज़ी होने की बात भी कही। बयान पर इस्राइल या फलस्तीनी अथॉरिटी की कोई प्रतिक्रिया आने तक स्थिति संशयपूर्ण है चूंकि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा सुझाए दो राष्ट्रों वाले समाधान को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पूर्व में नकार चुके हैं। मानवीय दृष्टिकोण से आतंकवाद का दमन करना निस्संदेह अत्यावश्यक है किंतु प्रतिशोध की भावना से निर्दोष लोगों को युद्ध की आग में झोंकना भी सर्वथा अमानवीय है।

युद्ध की विभीषिका में झुलसती मानवता

दीपिका अरोड़ा

भोजन हमारे जीवन की आधारभूत आवश्यकता है, जिसके बिना जीने की कल्पना तक करना असंभव है। इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक खाद्य संकट को लेकर जारी हालिया रिपोर्ट पर दृष्टिपात करें तो विगत वर्ष विश्व के 59 देशों में 28 करोड़ से अधिक लोगों को भूख का सामना करना पड़ा। फलस्तीन, दक्षिणी सूडान, यमन, सीरिया एवं हैती में भुखमरी की स्थिति बेहद गंभीर आंकी गई। रिपोर्ट के मुताबिक़, विगत 7 माह से युद्ध का सामना कर रहे गाजा में लगभग 11 लाख लोग भूख के पैमाने के पांचवें स्तर पर पहुंच गए। मई माह के दौरान यहां भुखमरी फैलने व जुलाई में अकाल जैसी परिस्थितियां उत्पन्न होने संबंधी आशंकाएं कुलबुलाने लगी हैं। भुखमरी का प्रकोप बढ़ाने में यद्यपि प्राकृतिक आपदाओं, खाद्यान्न की बर्बादी आदि अन्यान्य कारणों का बड़ा हाथ रहता है तथापि उन युद्धजन्य दुष्प्रभावों को भी नहीं नकार सकते जो ग़रीबी व भुखमरी की बढ़ोतरी में मुख्य रूप से ज़िम्मेदार बनते हैं। जैसा कि सर्वविदित है, इस्राइल पर हमास के आतंकी हमले के प्रत्युत्तर में 7 अक्तूबर को इस्राइल द्वारा गाजा पट्टी पर भीषण बमबारी की गई। निरंतर चल रहे इस खूनी संघर्ष में 34 हज़ार से ज्यादा लोग मारे गए, 77 हज़ार से अधिक हताहत हुए, लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा। मृतकों में सर्वाधिक, 14,500 बच्चे शामिल हैं। ख़बरों के अनुसार, इस्राइल अब दक्षिण में स्थित राफा शहर पर हमले की तैयारी में है, जो वर्तमान में 10 लाख से अधिक फलस्तीनियों की शरणस्थली बना हुआ है। धधकते शोलों का सामना करते गाजा के 23 लाख नागरिक प्रतिदिन भोजन अनुपलब्धता की समस्या से जूझ रहे हैं। ऑक्सफेम के मुताबिक़, हज़ारों लोग औसतन 245 कैलोरी पर जीवित हैं जबकि एक व्यक्ति को प्रतिदिन 1,600 से 3,000 कैलोरी चाहिए।

युद्ध की सबसे बड़ी कीमत चुका रहे हैं हमले में अभिभावकों को गंवा चुके फलस्तीनी बच्चे। दिन भर पंक्ति में खड़े रहने के बावजूद उन्हें दो वक्त का भोजन-पानी तक नसीब नहीं हो पाता। भोजन व आवश्यक चिकित्सीय सुविधाओं के अभाव में हज़ारों मासूम बच्चे कुपोषण का शिकार हो चुके हैं। युद्ध के दौरान जन्मे बच्चों की स्थिति तो और भी शोचनीय है। मीडिया की रिपोर्टानुसार, 17 अप्रैल तक गाजा के अस्पतालों में कुपोषण के कारण जान गंवाने वाले 12 साल से कम आयुवर्ग के बच्चों की संख्या 28 रही, जिनमें एक माह से कम उम्र के 12 बच्चे शामिल थे। अंतर्राष्ट्रीय शांति प्रयासों के बावजूद, इस्राइल-हमास के मध्य युद्धविराम पर समझौता संभव नहीं हो पाया। हालांकि हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान, हमास राजनेता खलील अल-हया द्वारा रखे गए संधि प्रस्ताव के दृष्टिगत संभावनाएं पनपी तो हैं। अल हया के मुताबिक़, अगर 1967 के पहले वाली सीमाओं के तहत स्वतंत्र फलस्तीन देश की स्थापना होती है तो न केवल हमास हथियार डाल देगा बल्कि ख़ुद को मात्र एक राजनीतिक दल में बदल लेगा। उन्होंने पांच वर्ष या उससे अधिक समय के लिए युद्धविराम पर राज़ी होने की बात भी कही। बयान पर इस्राइल या फलस्तीनी अथॉरिटी की कोई प्रतिक्रिया आने तक स्थिति संशयपूर्ण है चूंकि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा सुझाए दो राष्ट्रों वाले समाधान को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पूर्व में नकार चुके हैं। मानवीय दृष्टिकोण से आतंकवाद का दमन करना निस्संदेह अत्यावश्यक है किंतु प्रतिशोध की भावना से निर्दोष लोगों को युद्ध की आग में झोंकना भी सर्वथा अमानवीय है। 6 महीनों के दौरान हुए भीषण नरसंहार के चलते विश्व के अनेक हिस्सों में इस्राइल के विरुद्ध रोष पनपने लगा है। विगत माह, 25 मार्च को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रस्ताव पारित किया, जिसमें गाजा में 'तत्काल' युद्धविराम का आह्वान किया गया।

अमेरिका के न्यूयार्क से लेकर कैलिफोर्निया तक विभिन्न विश्वविद्यालयों से छात्रों के आक्रोशित स्वर मुखर हो रहे हैं। युद्ध तबाही के अतिरिक्त कुछ नहीं; भले ही वह गृहयुद्ध हो अथवा दो देशों के मध्य व्याप्त हिंसात्मक संघर्ष। सूडान हो या सोमालिया लगातार गृहयुद्ध से जूझते अफ्रीकी देशों में लोग वर्षों से भूख व ग़रीबी के साए में जीने को विवश हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या हमास-इस्राइल जंग, उर्वरक धरती को बंजर बनाने का ख़मियाज़ा समूचे विश्व को भुगतना पड़ता है। विगत वर्ष 32 देशों में भूख से जूझते 3.60 करोड़ पांच वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों में कुपोषण का स्तर गंभीरतम होना एवं ढाई करोड़ बच्चों का भोजन के अभाव में विभिन्न बीमारियों से ग्रसित होना मानवीय विफलताओं का द्योतक है। 'विकास' का दम भरने से पूर्व अन्य कारणों के निवारण सहित पृथ्वीलोक को युद्ध की विभीषिका से मुक्त करना होगा। सही अर्थों में हम सभ्य तभी बनेंगे जब जीवन में शांति-सद्भावना-अहिंसा का महत्व समझते हुए युद्धक परिस्थितियों का निर्भयतापूर्वक विरोध कर पाएंगे। भूख व संहार से बिलखती मानवता का करुण कंद्रन हमारी आंखों में ज्वार-भाटा बनकर न उतरे तो किसी भी स्तर पर हमें 'मानव' कहलाने का कोई अधिकार नहीं।

विचार

संकुचित व षड्यंत्रकारी चुनावी विमर्श अत्यंत चिंतनीय

निर्मल रानी

विगत चार दशकों से भारतीय जनता पार्टी भगवान राम के नाम पर राजनीति कर स्वयं को स्थापित करने की कोशिश करती रही है। आख़िरकार धार्मिक ध्रुवीकरण व राम मंदिर की राजनीति ने उसे केंद्रीय सत्ता में आने में मदद की और यह भाजपा का लोकप्रिय मुद्दा बन गया। अब वही भाजपा इससे भी दो क़दम आगे बढ़कर जहाँ सर्वव्यापी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम को अपना निजी %भगवान% समझने लगी है वहीँ अपने विरोधी दलों को राम विरोधी तो राम द्रोही आदि प्रचारित कर रही है। इसी दल की एक सांसद यहाँ तक कह चुकी है कि जो हमारे साथ हैं वह रामज़ादे हैं और जो ख़िलाफ़ हैं वह हराम ज़ादे हैं। इसके साथ ही स्वयं बहुसंख्यकवाद की राजनीति करने वाली यही भाजपा अपने विरोधी दलों को अल्पसंख्यक परस्त व मुस्लिम तुष्टीकरण करने वाले दलों के रूप में पूरे ज़ोर शोर से प्रचारित कर रही है। अपने इस अनैतिक अभियान में वह वर्तमान चुनावी बेला में सार्वजनिक मंचों से जिन शब्दों व वाक्यों का इस्तेमाल कर रही है वह भारतीय राजनीति के इतिहास का अब तक का सबसे गिरा व निम्नस्तरीय चुनाव अभियान है। यह इस बात का भी परिचायक है कि अबकी बार चार सौ पार का हवाई नारा देने वाली भाजपा व इसके शीर्ष नेता समझ चुके हैं कि जनता अब उनके विघटनकारी मंसूबों को समझ चुकी है। और 400 पार की बात तो दूर इस बार तो उनकी सत्ता में वापसी पर भी प्रश्न चिन्ह लग चुका है। ग़ौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर अयोध्या स्थित विवादित मंदिर मस्जिद मुक़दमे का निर्णय सुनाया गया। इसी फ़ैसले में केंद्र सरकार से एक ट्रस्ट बनाकर मंदिर निर्माण करने को कहा गया। यहाँ यह भी क़ाबिल-ए-ग़ौर है कि मंदिर-मस्जिद अदालती वाद परिवाद में मुद्दई के रूप में न तो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ था न विश्व हिन्दू परिषद् न ही भाजपा। परन्तु केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एन डी ए सरकार होने के नाते बड़ी ही चतुराई से ट्रस्ट के गठन से लेकर मंदिर निर्माण व उद्घाटन तक के इस पूरे प्रकरण का भाजपा द्वारा निजीकरण कर लिया गया। यहाँ तक कि 22 जनवरी 2024 को हुये मंदिर उद्घाटन के दौरान इसके प्राण प्रतिष्ठा के धार्मिक विधि विधान सम्बन्धी तौर तरीक़ों व समय को लेकर देश के चारों शंकराचार्यों सहित तमाम संतों महंतों द्वारा इसका कितना तार्किक विरोध किया गया। परन्तु उन सब की अनसुनी कर दी गयी। और मंदिर ट्रस्ट से लेकर इसके उद्घाटन तक को पूर्णतः भाजपाई इवेंट के रूप में पेश किया गया। और अब उसी आधार पर यह कहकर वोट माँगा जा रहा है कि जो राम को लाये हैं हम उनको लाएंगे।

देश के चारों शंकराचार्य ही नहीं बल्कि हज़ारों वरिष्ठ संतों ने तथा भाजपा विरोधी दलों ने यह बख़ूबी समझ लिया था कि ट्रस्ट गठन से लेकर प्राणप्रतिष्ठा तक का पूरा कार्यक्रम पूरी तरह राजनैतिक व अनैतिक है। इसी लिये जहां शंकराचार्यों ने इस आयोजन में शिरकत नहीं की वहीँ विपक्षी दलों के नेताओं ने भी 22 जनवरी के इस राजनैतिक आयोजन से दूरी बनाये रखी। इतना ही नहीं बल्कि कई प्रमुख केंद्रीय मंत्री व भाजपाई मुख्यमंत्री भी अभी तक अयोध्या के नवनिर्मित मंदिर दर्शन करने नहीं गए हैं। परन्तु भाजपा के निशाने पर केवल कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के नेता हैं। भाजपा इसे लेकर ऐसे ऐसे दुष्प्रचार कर रही है ताकि वह किसी तरह कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के अन्य दलों व उनके नेताओं को राम विरोधी साबित कर सके। अफ़सोस की बात तो यह है कि कल के धर्मनिर्पेक्षतावादी जो आज भगवा रंग में रंग रहे हैं उनसे भी भाजपा यही कहलवा रही है कि कांग्रेस राम विरोधी है। और कांग्रेस अयोध्या मंदिर दर्शन करने का विरोध करती है। जबकि सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेट अयोध्या दर्शन करने जा चुकी हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय रॉय पूरी उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के साथ राम मंदिर जा चुके। सांसद दीपेंद्र हुडा, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जेसे तमाम कांग्रेस नेता 22 जनवरी के बाद अयोध्या जा चुके हैं। परन्तु कांग्रेस आला कमान ने किसी नेता से इस विषय पर कोई सवाल नहीं किया। क्योंकि कांग्रेस शुरू से यही मानती आ रही है कि धर्म व धर्म पालना किसी भी व्यक्ति का आस्था सम्बन्धी अत्यंत निजी विषय है। इसकी पालना करने या न करने का प्रत्येक व्यक्ति का अपना निजी अधिकार है। कांग्रेस ने न तो कभी राम के नाम पर वोट माँगा न ही राम के विरोध के नाम पर। परन्तु दुष्प्रचार की इंतेहा यह कि नरेंद्र मोदी स्वयं यह कह रहे हैं कि मैं लोकसभा चुनाव में 400 सीट इसलिए जीतना चाहता हूं कि ताकि कांग्रेस अयोध्या में राम मंदिर पर बाबरी ताला ना लगा दे। कांग्रेस की चली तो कांग्रेस कहेगी कि भारत में जीने का पहला हक भी उसके वोट बैंक (मुसलमानों) का है। लेकिन जब तक मोदी ज़िंदा है, नक़ली सेक्युलरिज़्म के नाम पर भारत की पहचान मिटाने की कोई भी कोशिश मोदी सफल नहीं होने देगा, और ये हज़ारों वर्ष पुराने भारत को, उसकी इस संतान की गारंटी है।

एक नजर

अभाविप चलाएगी कुलपति भगाओ विश्वविद्यालय बचाओ अभियान

भागलपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में बुधवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता के माध्यम से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अपने आंदोलन की आगामी योजना एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए आवाहन किया। कुलपति भागाओ विश्वविद्यालय बचाओ अभियान का शुरुआत विद्यार्थी परिषद द्वारा किया जाएगा। प्रदेश सह मंत्री हैप्पी आनंद ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं की बर्बरता पूर्वक गिरफ्तारी और छात्रों के आवाज को दबाने का यह असफल प्रयास है। इसे विद्यार्थी परिषद कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। जिला संयोजक रोहित राज ने कहा कि लगातार अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा एससी एसटी छात्र एवं सभी वर्गों की छात्रों का निशुल्क नामांकन तथा प्रवेश परीक्षा और परिणाम में अराजक स्थिति को दूर करने के लिए विद्यार्थी परिषद ने कई बार कुलपति से वार्ता एवं ज्ञापन देकर समस्या का समाधान करने का प्रयास किया। लेकिन कुलपति ने समस्या के समाधान के लिए कभी प्रयास नहीं किया। जिसके कारण विद्यार्थी परिषद को आंदोलन अपने हाथ में लेना पड़ा। प्रदेश कार्य समिति सदस्य कुणाल पाण्डेय ने कहा कि अगर कुलपति मुंगेर विश्वविद्यालय का आईफोन एवं लैपटॉप जोकि इतने दिन से इस्तेमाल कर रहे थे तो तिलकामांझी विश्वविद्यालय का लैपटॉप और आईफोन जो कुलपति के लिए खरीदा गया या उनको मिला वह कहां है या फिर मुंगेर विश्वविद्यालय के लैपटॉप या आईफोन को दिखाकर यहां का बिल बना लिया गया। इसको कुलपति सार्वजनिक करें। बीएड कॉलेज को किस आधार पर मान्यता दिया गया। यह सार्वजनिक करें। कुलपति कई ऐसे कॉलेज जो बिना शिक्षक बिना संसाधन के मान्यता प्राप्त कर लिए। इससे किस आधार पर मान्यता दिया गया। कुलपति पर कई प्रकार के गंभीर आरोप लगे हुए हैं। जैसे कि पीआरओ, मीटिंग ऑफिसर जैसे कई पद का सृजन किया जो गैर संवैधानिक है।

वृक्षारोपण कर मनाया गया रेड क्रॉस सोसाइटी स्थापना दिवस

भागलपुर। रेड क्रॉस सोसायटी के स्थापना दिवस को लेकर बुधवार को बिहार गर्ल्स बटालियन एनसीसी और भारत स्काउट एवम् गाइड के बहादुर एवं अनुशासित बालिका कैडेटों ने वृक्षारोपण का अति उत्तम एवम् सर्वकल्यांकारी कार्यक्रम संपादित किया। इस दौरान बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल दिनेश कुमार पाठक ने अत्र भाषण के साथ रेड क्रॉस सोसाइटी की महत्ता पर विधिवत प्रकाश डाला। रेड क्रॉस सोसाइटी के स्थापना दिवस के अवसर पर सोसाइटी के अध्यक्ष अशोक जिवराजिका, उपाध्यक्ष डॉ अजय कुमार सिंह, सचिव प्रवीण कुमार झा, राज्य प्रतिनिधि कुमार अनुज सिंह, एवं सदस्य अभिषेक डालमिया ने भी अपने वक्तव्यों से पूरे कार्यक्रम को परोपकार, देशभक्ति एवं बहादुरी के जज़्बातों के भावावेगों से झंकृत कर दिया। स्काउट्स एवं गाइड के ज़िला संगठन आयुक्त विपिन कुमार सिंह ने इस वृक्षारोपण कार्यक्रम को बड़े ही प्रभावी ढंग से आयोजित कर सफल बनाया। अंत में सभी का आह्वान करते हुए कि एक पौधा हर वर्ष लगायें तथा परवरिश कर उसे बढ़ायें का संकल्प लेते हुए कार्यक्रम को समाप्त किया गया।

इग्नू द्वारा शैक्षणिक सत्र जुलाई 2024 के लिए पुनः पंजीकरण प्रारंभ

सहरसा। इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र जुलाई 2024 के लिए पुनः पंजीकरण प्रारंभ हो गया, जिसकी अंतिम तारीख 30 जून तक है।निदेशक डॉ मिर्जा निहाल अहमद बेग ने बताया कि पुनः पंजीकरण का अर्थ है कार्यक्रम के अगले वर्ष सेमेस्टर के लिए पंजीकरण करना। पुनः पंजीकरण हेतु वैसे छात्रों को विशेष रूप से अवगत कराया जाता है, जिन्होंने जुलाई 2023 सत्र में स्नातक, स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में

प्रवेश लिया है। साथ ही जुलाई 2023 से पूर्व के छात्र जो किसी कारणवश स्नातक द्वितीय अथवा तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के लिए पुनः पंजीकरण नहीं करा पाए हों। निर्धारित समयावधि और वैधता का ध्यान में रखते हुए यथाशीघ्र पुनः पंजीकरण 30 जून तक अवश्य करा लें, क्योंकि ऐसा न करने वाले शिक्षार्थियों का ससमय कार्यक्रम पुरा नहीं हो पाएगा। शिक्षार्थी अपने कार्यक्रम में पुनः पंजीकरण से संबंधित वेबसाईट पर दिए गए विवरण और संबंधित नियमों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।ऑनलाइन पुनः पंजीकरण के लिए शिक्षार्थी को सलाह दी जाती है कि अद्यतन जानकारी के लिए समय-समय पर इग्नू की आधारिक बेवसाइट www.ignou.ac.in अवश्य देखते रहें।अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा के दूरभाष संख्या या क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा में स्वयं उपस्थित होकर इग्नू के हेल्प डेस्क पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी क्षेत्रीय केन्द्र, सहरसा के अंतर्गत अपने नजदीकी शिक्षार्थी सहायता केन्द्र से भी संपर्क कर सकते हैं।

नौकरी चाहिए तो 'इंडी गठबंधन को ' को वोट दें: तेजस्वी यादव

डेहरी आन सोन,एजेंसी। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को काराकाट संसदीय क्षेत्र में महागठबंधन उम्मीदवार माले नेता राजाराम के नामांकन सह आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर नौकरी चाहिए तो इंडी गठबंधन को वोट दीजिए। अगर बेरोजगारी व गरीबी चाहिए तो राजग को वोट दीजिए। काराकाट संसदीय क्षेत्र के डेहरी विधान सभा के अकोढ़ीगोला प्रखंड के प्रेम नगर हाई स्कूल के मैदान में तेजस्वी यादव ने कहा कि मैं रोजगार और नौकरी की बात करता हूं। जबकि, हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी हिंदू-मुस्लिम और मंगलसूत्र की बात करते हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि देश में महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है ।सरकार बनने पर गैस सिलेंडर भी सस्ते दाम पर होंगे उपलब्ध। तेजस्वी ने कहा अभी बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है, इसलिए बदलाव आवश्यक है। बदलाव के लिए वोट की चोट जरूरी है।

उन्होंने कहा कि केंद्र में सरकार बनी तो एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। एलपीजी गैस सिलेंडर भी सस्ते दाम पर उपलब्ध कराई जाएगी। बिजली बिल भी 200 यूनिट तक फ्री कर दिया जाएगा। रक्षाबंधन पर सभी बहनों को एक-एक लाख रुपये प्रतिवर्ष का तोहफा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में सरकार में रहते हुए 17 महीने में 5 लाख नौकरियों का सृजन किया। उन्होंने कहा कि हमलोग सबको साथ लेकर चलते हैं। हमलोग संविधान और लोकतंत्र को बचाना चाहते हैं। मौके पर दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि तीन चरण के चुनाव सम्पन्न हो चुके है। भाजपा का ग्राफ गिर चुका है। सरकार को बदलने वाला चुनाव है। इस देश के नौजवान इंतजार कर रहे है की मुद्दे की बात करने वाली सरकार केंद्र की गद्दी पर बैठे। इंडी गठबंधन की सरकार रोजगार देने को कार्य करेगी ।स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू होगी ।किसानों को उसका अधिकार दिया जाएगा। बिहार से चौंकानेवाला परिणाम आयेगा। वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने कहा की लोकतंत्र में जनता मालिक है। महागठबंधन उम्मीदवार को जिताने की अपील करते हुए मुकेश ने कहा कि यह स्वाभिमान की लड़ाई है। मल्लाह के बेटे ने गंगाजल लेकर संकल्प लिया है कि भाजपा को हराना है और दिल्ली की गद्दी से हटाना है। उन्होंने इंडी गठबंधन के हर कार्यकर्ता को जीत दिलाने के लिए मेहनत करने की अपील की। मौके पर राजद विधायक फतेबहादुर सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांति सिंह पूर्व मंत्री अनिता चौधरी ,ओबरा विधायक रिषी कुमार, नवीनगर विधायक डब्ल्यू सिंह उर्फ विजय सिंह, सासाराम विधायक राजेश गुप्ता ,कामरेड अशोक कुमार सिंह, डेहरी डालमियानगर नगर परिषद मुख्य पार्षद शशि कुमारी राजद अतिपिछड़ा सेल के प्रदेश महासचिव गुड्डू चन्द्रवंशी समेत संसदीय क्षेत्र के आप ,राजद, वी आईपी,माले ,सीपीआई के भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे ।

एनडीए सरकार ने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं की प्रगति-सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया : नितिन गडकरी

पटना/बेगूसराय। बिहार में बेगूसराय लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत 10 वर्षों में भाजपा नीत एनडीए की सरकार ने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं सहित सभी के प्रगति और सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया है। गडकरी ने कहा कि राजमार्गों के निर्माण से बिहार का अपेक्षित विकास संभव हो रहा है। विकास को प्राथमिकता देते हुए मटिहानी की जनता इस बार भी गिरीराज सिंह को चुनकर भाजपा-राजग को विजयी बनाएगी, यह मुझे विश्वास है। उन्होंने कहा कि बिहार में कांग्रेस-राजद की सरकार में जो काम 60 साल में नहीं हुआ वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दस वर्ष के शासनकाल में हमने करके दिखाया है। दस साल में बिहार में नेशनल हाईवे का जाल बिछाया गया है। गंगा नदी सहित अनेक नदियों पर लम्बे-लम्बे पुल का निर्माण हुआ है। गडकरी ने कहा कि अच्छी सड़क, बिजली और टेलिकम्युनिकेशन से रोजगार और उद्योग बढ़ता है। बेरोजगारी, भूखमरी और गरीबी भी दूर होती है। उन्होंने कहा कि केंद्र में सहयोगी गिरिराज सिंह ने अपने विभाग के जरिए अनेक गांवों को मजबूत रोड से जोड़ने का काम किया। बेगूसराय सहित पूरे बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछाया जा चुका है, जो गिरिराज सिंह के मंत्रालय की ही देन हैं। गडकरी ने कहा कि देश बदल रहा है। मैं जिस क्षेत्र से आता हूं वहां 10 हजार किसानों ने आत्महत्या की। वर्ष 2004 में किसानों को उनकी फसल की कीमत नहीं मिलती थी। उस समय पेट्रोलियम मंत्री राम नाईक के साथ मुझे ब्राजील जाने का मौका मिला। वहां से लौटने के बाद हमने यह प्लान बनाया कि हमारा किसान इथोनॉल बनायेगा। गन्ना मिलों से 380 किलोवॉट बिजली का उत्पादन हो रहा है। हमारे यहां का किसान अन्नदाता नहीं, अब ऊर्जादाता बन गया है। आने वाले पांच सालों में हमारी सरकार में पूरे देश के किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि ऊर्जादाता भी बनेंगे।

भारत-नेपाल सीमा के पानी टंकी से अमेरिकी मां-बेटी समेत एक भारतीय गिरफ्तार

किशनगंज,एजेंसी। एक विदेशी महिला प्यार के लिए अपने 11 वर्षीय बेटी को लेकर भारत आ गई। प्यार में गजब की ताकत होती है। इसका अहसास केवल प्यार करने वालों को ही होता है। भारत-नेपाल सीमा के पानीटंकी से एक ऐसी ही अनोखी प्यार की कहानी सामने आई है। विदेशी महिला का नाम नैना काला पौडेल है और उसके 11 वर्षीय बेटी का नाम यूनिस बिस्वा हैं। ये दोनों अमेरिका के रहने वाले हैं। दरअसल नैना काला पौडेल की फेसबुक पर एक भारतीय नागरिक नीमा तमांग से मुलाकात हुई। देखते ही देखते उसे फेसबुक पर एक-दूसरे से प्यार हो गया। इसके बाद दोनों का प्यार परवान चढ़ने लगा और दोनों को एक दूसरे की जुदाई नहीं सही गई और दोनों ने एक-दूसरे से शादी करने का मन बना लिया।

नैना अपनी बेटी के साथ नीमा तमांग से शादी करने के लिए हवाई मार्ग से 19 मार्च 2024 को अमेरिका से न्यूयॉर्क और फिर नई दिल्ली पहुंची। यहां वह दो दिन रुकने के बाद 21 मार्च 2024 को नई दिल्ली से बागडोगरा पहुंची। फिर वह नीमा तमांग के घर भाटपाड़ा चाय बागान, कालचीनी पहुंची। इसके बाद 13 अप्रैल 2024 को ग्रेस वैली चर्च, भाटपाड़ा में उसने नीमा तमांग के संग विवाह रचाया। इसके बाद नीमा तमांग ने अलीपुरद्वार जिले के मिल्टनगंज की एक दुकान से 10 हजार रुपए देकर नैना काला पौडेल और उसके बेटी यूनिस बिस्वा का फर्जी आधार कार्ड बनाया। इसके बाद 21 अप्रैल 2024 को हनीमून के उद्देश्य से पानीटंकी नए पुल के रास्ते वे फर्जी आधार कार्ड के आधार पर नेपाल गए। हनीमून मनाने के बाद 7 मई मंगलवार को वे तीनों भारत लौट रहे थे। उसी दौरान पानीटंकी सीमा पर तैनात एसएसबी की 41वीं वाहिनी ने पानीटंकी बीआईटी कर्मियों ने अमेरिकी मां-बेटी नैना काला पौडेल और यूनिस बिस्वा को पकड़ लिया। साथ ही भारतीय नागरिक नीमा तमांग को भी पकड़ लिया। नैना काला पौडेल और यूनिस बिस्वा अमेरिका का रहने वाला बताया गया है। उनके पास 2029 तक वैध 5 साल तक भारतीय वीजा भी है। वहीं उसकी बेटी यूनिस बिस्वा का वीजा 20 मार्च 2025 तक वैध है। नीमा तमांग अलीपुरद्वार जिले के नयालाइन, भाटपाड़ा चाय बागान, कालचीनी इलाके का रहने वाला बताया गया है। एसएसबी ने अपनी आवश्यक कार्रवाई करने के बाद अमेरिकी मां-बेटी व नीमा तमांग को खोरीबाड़ी पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बुधवार को अमेरिकी मां-बेटी व भारतीय नागरिक को पांच दिन की पुलिस रिमांड अर्जी पर सिलीगुड़ी अदालत में पेश किया। पुलिस मामले की अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

जिले में दुसरे दिन भी झमाझम बारिश से गिरा तापमान, जलजमाव से बढी परेशानी

पूर्वी चंपारण। जिले में मंगलवार को तेज आंधी के साथ शुरू हुई झमाझम बारिश दुसरे दिन भी जारी है। लिहाजा दिन का अधिकतम तापमान 41 डिग्री से लुढककर 27 डिग्री हो गई है। आसमान में छाये बादल से दिन में अंधेरा बना हुआ है।तेज आंधी के कारण जिले के सभी अनुमंडलो में बिजली आपूर्त्ति बाधित है।बारिश से एक ओर किसानों के चेहरे पर खुशी दिख रहा है,तो वही शहरो में कई जगह जलजमाव होने से लोगो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है,कि लंबे इंतजार के बाद सीजन की पहली बारिश से तापमान में गिरावट से गर्मी से राहत तो मिली ही है,साथ ही लगातार नीचे जा रहे भू गर्भीय जलस्तर भी स्थिर होने का अनुमान जताया जा रहा है।हालांकि इस बारिश के साथ मेघ गर्जन से वज्रपात का भी डर बना हुआ है। आपदा प्रबंधन विभाग ने भी वज्रपात होने को लेकर अलर्ट जारी किया है। वही इस बारिश से खेती को काफी लाभ होने की उम्मीद जतायी गई है।कृषि विभाग की माने तो मई माह में हुई इस बारिश से सब्जी की खेती के साथ आगामी खरीफ खेती को काफी लाभ होगी।हालांकि इस बारिश ने जिले के सभी शहरी क्षेत्र मोतिहारी,रक्सौल,ढाका घोड़ासहन,सुगौली व अरेराज के मुख्य सड़को पर जलजमाव की स्थिति से लोगो को खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वाहन पार्किंग को लेकर दो पक्षों में विवाद, एक व्यक्ति घायल

भागलपुर। जिले के तिलकामांझी थाना क्षेत्र के भीखनपुर गुमटी संख्या-2 के समीप बुधवार को दो दुकानदारों के बीच वाहन पार्किंग को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान अजमेरी मीट हाउस संचालक बबलू कुरैशी ने चाकूबाजी शुरू कर दी। घटना में मोहम्मद शोराव कुरैशी गंभीर रूप से घायल हो गया। धारदार हथियार से मोहम्मद शोराव के गले में हमला किया गया है। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से आपातकालीन 112 के टीम ने घायल को प्रारंभिक इलाज के लिए भागलपुर के सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर उपचार के लिए जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। मामले को लेकर घायल मोहम्मद शोराव कुरैशी के पिता मोहम्मद अख्तर कुरैशी ने बताया कि दुकान के सामने गाड़ी लगाने को लेकर बहसबाजी हुई। इसी दौरान बबलू कुरैशी ने धारदार चाकू से

गले पर हमला कर दिया। जिसमें शोराव गंभीर रूप से घायल हुआ है। घायल कई सालों से मिट हाउस का दुकान चलाते है। घटना के बाद मौके पर पहुंचे परिजन भी अस्पताल पहुंचे। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद तिलकामांझी पुलिस सदर अस्पताल पहुंची। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले घायल को बेहतर उपचार के लिए जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया था। फिलहाल मामले को लेकर पुलिस छानबीन में जुटी हुई है। इस पूरे मामले को लेकर भागलपुर के एसपी श्री राज ने बताया कि घटना में शामिल अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ जारी है।

नवादा भारती भवन की 2500 नकली किताबें जब्त

नवादा। नवादा नगर के न्यू एरिया श्रीकृष्ण मेमोरियल कॉलेज के समीप बुधवार को एक घर से भारती भवन कंपनी की नकली किताबों की बड़ी संख्या में बंडल जब्त की गयी है। बुक पब्लिसर्स की ओर से की गई फर्जीवाड़ा संबंधी शिकायत के बाद उससे जुड़ी डिटेक्टिव एजेंसी टैक्ट इंडिया एडवर्जिंग रिस्क के लीगल एडवाइजर फरमान इस बाबत नवादा पहुंचे थे। छापेमारी के दौरान आरोपी पुलिस की पकड़ में नहीं आ सका। इस बारे में बताया गया कि अमन बुक्स एजेंसी के नाम से शेखपुरा, नवादा, नालंदा, गया और जहानाबाद में गलत तरीके से भारती भवन के नाम पर नकली थोक पुस्तकों की बिक्री की जाती थी।

एजेंसी के प्रतिनिधि फरमान ने बताया कि जिस घर से पुलिस ने छापेमारी की वहां से भारती भवन की कुल 31 प्रकार की किताबें बरामद की गई। बरामद पुस्तकों में हिंदी साहित्य, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, गणित परिचय, हिंदी रीडर, गणित,सुगम विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन शास्त्र समेत अन्य प्रकार की करीब 25 सौ किताबें जब्त की गई है। बताया गया कि करीब 15 लाख रुपये की किताबें जब्त हुई है। हरेक प्रकार की पुस्तक का 200 से 250 किताबें जब्त की गई है। जिस घर से पुस्तकों को जब्त किया गया, वहां से भारती भवन का

होलोग्राम लिखा ढेर सारा स्टीकर बरामद किया गया है। छापेमारी के दौरान नवादा नगर थाना की पुलिस भी साथ में थी। आरोप है कि फर्जी तरीके से किताबों पर भारती भवन का लोगो लगाकर उसे बाजार में बेचा जाता था। इस बारे में लीगल एडवाइजर फरमान की ओर से नगर थाना को लिखित आवेदन पत्र भी दिया जा रहा है। इस बावत नगर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि गलत तरीके से किताबें बेचने के मामले में शहर में एक स्थान पर छापेमारी की गई है। उन्होंने कहा कि अमन कुमार नामक व्यक्ति के घर से किताबों की बाराबंकी की गई है जिनके विरोध भी आपराधिक मामले दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

भारत ने संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद रोधी कोष में पांच लाख डॉलर दिए

संयुक्त राष्ट्र,एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद रोधी कोष में 5,00,000 डॉलर का योगदान दिया है जो आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में बहुपक्षीय प्रयासों को समर्थन देने की उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत रुचिरा कम्बोज ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद रोधी कार्यालय के अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोंकोव को 'यूएन काउंटर-टेररिज्म ट्रस्ट फंड' (सीटीटीएफ) में देश की ओर से पांच लाख डॉलर का स्वैच्छिक वित्तीय योगदान सौंपा। संयुक्त राष्ट्र में भारत की राजदूत कम्बोज ने एक बयान में कहा, ''भारत आतंकवाद के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सदस्य देशों की क्षमता निर्माण में संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-रोधी कार्यालय के निर्णय और कार्यों को बहुत महत्व देता है। नवीनतम योगदान आतंकवाद के संकट के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाले बहुपक्षीय प्रयासों का समर्थन करने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। बयान में कहा गया कि भारत के योगदान से संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद रोधी कार्यालय के वैश्विक कार्यक्रम को मदद मिलेगी, विशेषकर आतंकवाद के वित्त पोषण से निपटने और आतंकवादियों की आवाजाही से निपटने में। नवीनतम योगदान के साथ ही भारत अभी तक इस ट्रस्ट को 25.5 लाख डॉलर का वित्तीय सहयोग दे चुका है।

अमेरिका ने इजरायल से की बात, कहा-रफा ऑपरेशन का दायरा सीमित

वाशिंगटन,एजेंसी। इजरायली सरकार के साथ बातचीत के बाद अमेरिका इस बात पर जोर दे रहा है कि दक्षिणी गाजा पट्टी के रफा शहर पर सेना छोटा ऑपरेशन चलाएगी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के संचार निदेशक जॉन किर्बी ने मंगलवार को कहा, हमने बार-बार और लगातार रफा में घनी आबादी वाले इलाकों में एक बड़े ऑपरेशन के बारे में चिंता व्यक्त की है। इजरायली प्रतिनिधियों ने वाशिंगटन को आश्वासन दिया है कि एक छोटा ऑपरेशन चलाया गया है जिसका मकसद रफा सीमा के पार हथियारों के परिवहन की हमास की क्षमता को रोकना था। उन्होंने कहा कि आगे की कार्रवाई पर नजर रखी जा रही है। इस्लामी फिलिस्तीनी संगठन हमास के साथ एक बंधक समझौते पर बातचीत के बारे में किर्बी ने कहा कि उनका मानना है कि दोनों पक्षों में सहमति बन सकती है। किर्बी ने बिना कोई और विवरण दिए कहा, वाशिंगटन बातचीत की प्रक्रिया का समर्थन करने और नतीजे प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

पाक सेना ने कहा, पांच चीनी नागरिकों के मौत की अफगानिस्तान में रची गई साजिश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना ने मंगलवार को दावा किया कि अशांत खैबर पख्तूनख्वा में मार्च में एक आत्मघाती हमले में पांच चीनी नागरिकों की मौत की साजिश अफगानिस्तान में रची गई थी। सेना की प्रेस इकाई इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) प्रमुख मेजर-जनरल अहमद शरीफ ने एक संवाददाता सम्मेलन में अफगानिस्तान पर आतंकवादियों को पाकिस्तान में हमले करने के लिए अपनी भूमि का इस्तेमाल करने की अनुमति देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मार्च में खैबर पख्तूनख्वा के बिशम इलाके में जिस हमले में पांच चीनी अभियंताओं की मौत हुई थी, उसकी साजिश अफगानिस्तान में रची गई थी और पड़ोसी देश की धरती का इस्तेमाल किया गया था। शरीफ ने कहा, यह आत्मघाती बम धमाका सीमा पार (अफगानिस्तान में) से भी जुड़ा है; इस आतंकवादी गतिविधि की योजना अफगानिस्तान में बनाई गई थी। आतंकवादियों और उनके मददगारों को भी अफगानिस्तान से नियंत्रित किया जा रहा था और आत्मघाती हमलावर भी अफगान था। इस साल मार्च में शांगला जिले के बिशम इलाके में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी अपनी कार से उस वाहन में टक्कर मार दी थी जिसमें पांच अभियंता सवार थे। हमले में चीनी अभियंताओं के साथ पाकिस्तानी चालक की मौत हो गई थी। पीड़ित इस्लामाबाद से प्रांत के ऊपरी कोहिस्तान जिले के मुख्यालय दासू में अपने शिविर की ओर जा रहे थे।

गाजा में इजरायली बंधक की मौत : हमास

गाजा। गाजा में एक इजरायली बुजुर्ग बंधक की मौत हो गई। हमास का कहना है कि उसे एन्क्लेव में अस्पतालों पर इजरायली हमलों के बीच इलाज नहीं मिला, जिस कारण उसकी मौत हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हमास की सशस्त्र शाखा अल-कस्सम ब्रिगेड ने मंगलवार को एक बयान में कहा, गाजा पट्टी में हमलों में अस्पतालों के नष्ट होने के कारण बुजुर्ग महिला जूडी फेनस्टीन को गहन चिकित्सा देखभाल नहीं मिली, जिससे उसकी मौत हो गई। आधिकारिक इजरायली आंकड़ों के अनुसार, 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने दक्षिणी इजराइल पर हमला किया था। जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और लगभग 240 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद इजरायल की सेना ने गाजा में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया। रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में इजरायली सेना के हमलों में 34,500 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 78,000 से अधिक घायल हुए हैं।

ब्रिटेन की अदालत ने नीरव मोदी को दिया झटका, भागने की आशंका के मद्देनजर जमानत की याचिका खारिज की

लंदन,एजेंसी। भारत का भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी को ब्रिटेन की अदालत ने एक और झटका देते हुए उसकी नई जमानत याचिका को खारिज कर दिया। ज्ञात रहे कि नीरव मोदी भारत से धोखाधड़ी करके भागने के बाद से पिछले पांच साल से लंदन की जेल में बंद है। ब्रिटेन की अदालत ने उसकी जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज किया कि उसे न्याय की पकड़ से भागने का 'काफी खतरा' है। हीरा व्यापारी नीरव (52) भारत में धोखाधड़ी और धनशोधन के आरोपों का सामना कर रहा है और भारत को प्रत्यर्पित करने के खिलाफ अपना मुकदमा हार गया था। लंदन में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत में उसके द्वारा दाखिल की गई जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान वह उपस्थित नहीं हुआ लेकिन उसका बेटा और दो बेटियां मौजूद थे।

जिला न्यायाधीश जॉन जानी ने उसकी कानूनी टीम की इस दलील को स्वीकार कर लिया कि पिछली जमानत अर्जी करीब साढ़े तीन साल पहले दाखिल की गई थी और इतने समय बाद सुनवाई को आगे बढ़ाने की अनुमति देने के लिए परिस्थितियों में बदलाव आया है। न्यायाधीश जानी ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद फैसले में कहा, ''हालांकि, मैं संतुष्ट हूं कि जमानत के खिलाफ पर्याप्त आधार बने हुए हैं। एक वास्तविक और पर्याप्त जोखिम यह है कि नीरव मोदी अदालत में उपस्थित होने या गवाहों के साथ हस्तक्षेप नहीं करने में विफल रहेगा। उन्होंने कहा, इस मामले में, किसी भी स्तर पर, एक बहुत बड़ा धोखाधड़ी का आरोपी शामिल है ऐसा में जमानत नहीं दी जा सकती है और आवेदन अस्वीकार किया जाता है। सीपीएस बैरिस्टर निकोलस हर्न ने अदालत को बताया, ''उसने भारतीय अदालत में आरोपों का सामना न करने के लिए अपना पूरा दृढ़ संकल्प प्रदर्शित किया है और यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि संबंधित धोखाधड़ी एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है, जिसमें से केवल 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर जब्त किए गए हैं। इसलिए, उसके पास अभी भी विभिन्न न्यायक्षेत्रों में महत्वपूर्ण संसाधनों तक पहुंच हो सकती है। सुनवाई के लिए भारत से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक संयुक्त टीम पहुंची थी और अदालत की कार्यवाही के दौरान उपस्थित रही। भारत में नीरव के खिलाफ तीन आपराधिक मामले चल रहे हैं जिनमें पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में धोखाधड़ी का सीबीआई मामला, उस धोखाधड़ी की आय की कथित धनशोधन से संबंधित प्रवर्तन निदेशालय का मामला और तीसरा सबूतों और गवाहों से कथित छेड़छाड़ को लेकर आपराधिक कार्यवाही। उसे 19 मार्च, 2019 को प्रत्यर्पण वारंट पर गिरफ्तार किया गया था और ब्रिटेन की तत्कालीन गृह मंत्री प्रीति पटेल ने अप्रैल 2021 में उसके प्रत्यर्पण का आदेश दिया था।

व्लादिमिर पुतिन ने पांचवीं बार राष्ट्रपति पद की शपथ ली

मॉस्को,एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने क्रेमलिन में एक भव्य समारोह में पांचवीं बार राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण किया और विश्वास जताया कि यूक्रेन संघर्ष के कारण कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनका देश और भी मजबूत होकर उभरेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मॉस्को पश्चिम के साथ बातचीत के लिए तैयार है।

श्री पुतिन का नया छह साल का राष्ट्रपति कार्यकाल 2030 तक है। श्री पुतिन ने फेडरेशन काउंसिल के सदस्यों, राज्य ड्यूमा के सदस्यों और रूसी संवैधानिक न्यायालय के न्यायाधीशों की उपस्थिति में रूस के लोगों को शपथ दिलाई। संवैधानिक न्यायालय के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वालेरी ज़ोर्किन ने आधिकारिक तौर पर व्लादिमीर पुतिन को रूसी संघ का नया राष्ट्रपति घोषित किया।

बाद में, रूस के राष्ट्रपति और रूसी सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर-इन-चीफ व्लादिमीर पुतिन ने अपने उद्घाटन के अवसर पर कैथेड्रल स्क्वायर पर राष्ट्रपति रेजिमेंट की समीक्षा की। राष्ट्रपति ने प्रेसिडेंशियल रेजिमेंट को उसकी 88वीं वर्षगांठ पर बधाई दी। मॉस्को और ऑल रशिया के पैट्रिआर्क किरिल ने क्रेमलिन में एनाउंसमेंट कैथेड्रल में धन्यवाद सभा आयोजित की। रूस के राष्ट्रपति के रूप में उद्घाटन समारोह में अपने भाषण में श्री पुतिन ने रूस के लोगों को मुझ पर दिखाए गए विश्वास और आपके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। ये शब्द रूस के प्रत्येक नागरिक के लिए हैं। उन्होंने यूक्रेन और रूस के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों के संदर्भ में कहा %आप, रूस के नागरिकों ने पुष्टि की है कि देश सही रास्ते पर है। यह अभी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। मैं इसे हमारे साझा ऐतिहासिक लक्ष्यों के प्रति आपकी गहरी जागरूकता और हमारी पसंद, हमारे मूल्यों, हमारी स्वतंत्रता और रूस के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के अटूट संकल्प के रूप में देखता हूं। उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि हम इस कठिन निर्णायक दौर से गरिमा के साथ गुजरेंगे और और भी मजबूत होकर उभरेंगे। हम निस्संदेह वह सब कुछ पूरा करेंगे जो हमारे विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से सभी दूरगामी परियोजनाएं हमने लंबी अवधि के लिए योजना बनाई है। उन्होंने पारिवारिक मूल्यों और सदियों पुरानी परंपराओं पर जोर दिया और कहा कि ये सार्वजनिक और धार्मिक संघों, राजनीतिक दलों और सरकार के सभी स्तरों को एकजुट करना जारी रखेंगे। उन्होंने विदेशी संबंधों पर कहा कि मॉस्को उन सभी देशों के साथ अच्छे संबंधों को मजबूत करने के लिए खुला है और रहेगा जो रूस को एक विश्वसनीय और ईमानदार भागीदार के रूप में देखते हैं। श्री पुतिन ने पश्चिम के साथ बातचीत पर कहा- %हम पश्चिमी राज्यों के साथ बातचीत को अस्वीकार नहीं कर रहे हैं। चुनाव उनका है-क्या वे रूस के विकास को रोकने की कोशिश जारी रखना चाहते हैं, आक्रामकता की नीति जारी रखना चाहते हैं, जो वर्षों से वे हमारे देश पर लगातार दबाव डाल रहे हैं या सहयोग और शांति का रास्ता तलाशना चाहते हैं।

हमास की सैन्य क्षमताओं को खत्म करने की दिशा में फराह पर नियंत्रण महत्वपूर्ण कदम : नेतान्याहू

काहिरा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि रफाह सीमा के गाजा क्षेत्र पर सेना का नियंत्रण हमास की सैन्य और आर्थिक क्षमताओं को खत्म करने की दिशा में एक 'महत्वपूर्ण कदम' है।

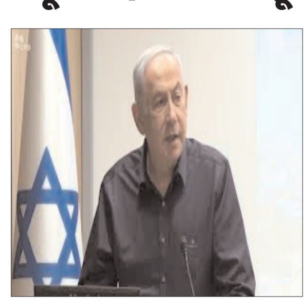

रफाह सीमा पर मंगलवार को कब्जे के साथ ही इजराइल को गाजा की सीमाओं पर पूर्ण नियंत्रण मिल गया। यह सीमा क्षेत्र में मानवीय सहायता के लिए मुख्य मार्गों में से एक है। इजराइल ने 2005 में यहां से सैनिक हटा लिये थे। अमेरिका में पुलिस कई विश्वविद्यालयों में घुसकर धरने हटवा चुकी है, लेकिन फलस्तीन समर्थकों का आंदोलन खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। पुलिस ने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों को हटाया, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने फिर एमआईटी में बनाए शिविर पर फिर कब्जा कर लिया। एमआईटी में प्रदर्शनकारियों से कहा गया था कि वे स्वेच्छा से कब्जा हटा लें नहीं तो उन्हें निलंबित कर दिया जाएगा। इसके लिए सोमवार दोपहर तक का अल्टीमेटम दिया गया था। कई प्रदर्शनकारियों ने कब्जा हटा लिया, लेकिन बाद में विश्वविद्यालय के बाहर से प्रदर्शनकारियों के आने के बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर फिर कब्जा कर लिया।

नेपाल में आज माता तीर्थ पर्व की धूम

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल में आज माता तीर्थ पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। मातातीर्थ औंसी (अमावस्या) देश में श्रद्धा, भक्ति और सम्मान के साथ मां की पूजा करने के रूप में मनाया जाता है। दुनिया भर में मां के सम्मान में मनाए जाने वाले मदर्स डे से इतर नेपाल में मां को समर्पित माता तीर्थ पर्व सबसे बड़ा है। सुबह से काठमांडू के करीब चंद्रागिरि नगरपालिका स्थित मातातीर्थ कुंड में मेला लगा है। हजारों श्रद्धालु मौजूद हैं। लोग दिवंगत मां को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। वैशाख कृष्ण अमावस्या पर मनाए जाने वाले इस पर्व को लोग सालभर इंतजार करते हैं। इस अवसर पर लोग सुबह स्नान करके खुद को शुद्ध करते हैं। माताओं को सुंदर कपड़े पहना कर मीठा और मसालेदार भोजन खिलाकर आशीर्वाद लेते हैं। दिवंगत माताओं को श्रद्धांजलि देकर याद किया जाता है। पौराणिक मान्यता है कि ऐसा करने से मातृ ऋण से मुक्ति मिल जाती है।

मेले में मौजूद स्थानीय युवक नवीन न्योपाने ने बताया कि मातृहीन नर/नारी कुंड में स्नान कर हरिहर (विष्णु और शिव) की पूजा करते हैं। किंवदंती है कि मातातीर्थ कुंड में स्नान करने से मातृ ऋण से मुक्ति मिल जाती है। उधर, माता तीर्थ मेले के अवसर पर आज पूरे चंद्रागिरि नगरपालिका क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

सर्बिया की राजकीय यात्रा के लिए बेलग्रेड पहुंचे जिनपिंग

बेलग्रेड,एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सर्बिया के राजकीय दौरे पर हैं। श्री जिनपिंग मंगलवार को सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड पहुंचे। देश के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद सर्बियाई वायु सेना ने श्री जिनपिंग के विमान की सुरक्षा के लिए दो लड़ाकू विमान भेजे। बेलग्रेड निकोला टेस्ला हवाई अड्डे पर सर्बियाई राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक और उनकी पत्नी तमारा वुसिक ने चीनी राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत किया।

सर्बियाई बच्चों ने श्री जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन को फूल भेंट किए और चीन तथा सर्बिया के राष्ट्रीय झंडे लहराए। राष्ट्रीय वेशभूषा पहने सर्बियाई लोगों ने उनका स्वागत करने के लिए गाना गाया और नृत्य किया। श्री जिनपिंग ने कहा, चीन और सर्बिया के बीच गहरी पारंपरिक मित्रता है। हमारा द्विपक्षीय संबंध बदलते अंतरराष्ट्रीय माहौल की कसौटी पर खरा उतरा है और राज्य-दर-राज्य संबंधों का एक अच्छा उदाहरण बन गया है। उन्होंने कहा कि वह इस दौरे को द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के अन्य मुद्दों पर श्री वुसिक के साथ विचारों के गहन आदान-प्रदान, मित्रता को नवीनीकृत करने, सहयोग की योजना बनाने, विकास का पता लगाने और द्विपक्षीय संबंधों के विकास का एक नया खाका तैयार करने के अवसर के रूप में लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि यह यात्रा फलदायी होगी और चीन-सर्बिया संबंधों में एक नया अध्याय जुड़ेगा। गौरतलब है कि पिछले आठ वर्षों में श्री जिनपिंग की यह दूसरी यात्रा है। श्री जिनपिंग ने कहा, राष्ट्रपति वुसिक के हार्दिक निमंत्रण पर सर्बिया गणराज्य की राजकीय यात्रा पर आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, चीनी सरकार और लोगों की ओर से मैं सर्बिया की मित्रवत सरकार और लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि 2016 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत होने के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में तेजी से विकास हुआ है और ऐतिहासिक परिणाम प्राप्त किए हैं। दोनों देश मजबूत राजनीतिक विश्वास से बंधे हैं, और उच्च गुणवत्ता वाले बेल्ट में सार्थक परिणाम देखे हैं।

गाजा युद्धविराम वार्ता के लिए हमास, इजरायली प्रतिनिधिमंडल काहिरा पहुंचा

काहिरा,एजेंसी। मिस्र गाजा पट्टी में युद्धविराम तक पहुंचने के उद्देश्य से काहिरा में हमास, इजरायल, कतर और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी कर रहा है। मिस्र के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि मंगलवार दोपहर को काहिरा पहुंचे इजरायली प्रतिनिधिमंडल में इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद और शिन बेट सुरक्षा एजेंसी के सदस्य शामिल थे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो बयान में कहा कि उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आदेश दिया था कि हमारे बंधकों की रिहाई के लिए जरूरी शर्तों पर दृढ़ रहना जारी रखें। हालांकि, उन्होंने कहा कि मिस्र और कतर के मध्यस्थों की मध्यस्थता और सोमवार को हमास के स्वीकृत युद्धविराम प्रस्ताव, इजरायल की जरूरी आवश्यकताओं से काफी दूर था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र व्यापक संघर्ष विराम तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। एक सूत्र ने कहा कि मिस्र संकट को रोकने के लिए विभिन्न पक्षों के साथ संचार में लगा हुआ है। इजरायली सेना ने मंगलवार को गाजा के दक्षिणी शहर राफा में एक सैन्य अभियान शुरू किया, जहां पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल का आक्रमण शुरू होने के बाद से 10 लाख से अधिक आंतरिक रूप से विस्थापित फिलिस्तीनियों ने शरण मांगी है। फिलिस्तीन आधिकारिक समाचार एजेंसी वफा के अनुसार, मंगलवार सुबह से राफा पर इजरायल के हमलों में कम से कम 20 लोग मारे गए हैं। वहीं मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इजरायल और हमास दोनों से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने का आह्वान किया।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल ने अदालत में दी गवाही

न्यूयार्क,एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल ने मंगलवार को अदालत में दोनों के बीच यौन संबंधों और चुप रहने के बदले धन देने के मामले में गवाही दी। गवाही के दौरान पोर्न स्टार डेनियल 2006 में गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान हुई पहली मुलाकात की जानकारी दी।

ट्रंप पर 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान यौन संबंधों को लेकर चुप रहने के लिए डेनियल को 1.30 लाख डॉलर देने का आरोप है। हालांकि, ट्रंप ने डेनियल के साथ यौन संबंध बनाने से इनकार किया है और खुद को निर्दोष बताया। बता दें कि इस मामले में आदेशों का उल्लंघन करने पर अदालत अब तक पूर्व राष्ट्रपति पर 10 हजार डॉलर का जुर्माना लगा चुकी है। इसके साथ ही कोर्ट ने आदेशों के दोबारा उल्लंघन पर जेल भेजने की भी चेतावनी दी है। 45 वर्षीय पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल का वास्तविक नाम स्टेफनी क्लिफोर्ड है। उन्होंने गवाही के दौरान अभियोजकों के सवाल पर जूरी को बताया कि ट्रंप से उनकी पहली मुलाकात 2006 में लेक ताहो गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान हुई थी। वहां

ट्रंप प्रतिस्पर्धी थे। डेनियल ने बताया कि फिल्म निर्देशित किए जाने की जानकारी ट्रंप ने उन्हें काफी स्मार्ट बताया। पोर्न स्टार ने बताया कि कुछ देर बाद ट्रंप के बॉडीगार्ड उनके पास आए और ट्रंप के साथ रात्रि भोज करने का निमंत्रण दिया। हालांकि, उन्होंने शुरुआत में मना कर दिया लेकिन बाद में वह राजी हो गईं। उन्होंने बताया कि होटल पहुंचने पर ट्रंप ने केवल पजामे में उनका स्वागत किया था। डेनियल ने बताया कि इस मुलाकात में उन्होंने पहनावे को लेकर उनका मजाक उड़ाया था। उन्होंने बताया कि वर्तमान पत्नी मेलानिया से शादीशुदा होने के दौरान उनके बीच अंतरंग संबंध बने। गवाही के दौरान ट्रंप काफी परेशान नजर आए।

मशहूर शेफ विकास खन्ना ने एम्पायर स्टेट बिल्डिंग को जगमग किया

न्यूयॉर्क। मशहूर शेफ विकास खन्ना ने भुखमरी से लड़ने के अभियान को रेखांकित करने के लिए यहां प्रसिद्ध एम्पायर स्टेट बिल्डिंग को जगमग किया। खन्ना (52) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''कितने सम्मान की बात है। आज मैंने दुनिया की सबसे मशहूर इमारत 'द एम्पायर स्टेट' को रोशन किया। गैर-लाभकारी संगठन 'सिटी हार्वेस्ट' के साथ साझेदारी में न्यूयॉर्क की इस मशहूर इमारत को जगमग करने लिए आयोजित विशेष समारोह में हल्के हरे रंग का कुर्ता पहनकर आए खन्ना ने कहा कि वह 'मेरी अपनी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हुए, साथ ही न्यूयॉर्क शहर की संस्कृति को एकीकृत करते हुए' एम्पायर स्टेट बिल्डिंग को रोशन करने के लिए 'सम्मानित और विशेषाधिकार प्राप्त' महसूस कर रहे हैं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''सिटी हार्वेस्ट और हमारी संस्कृति के सम्मान में हर साल 100 लोग इस इमारत को जगमग करते हैं और उनमें से एक होना इतिहास का हिस्सा होने के समान है।' 'सिटी हार्वेस्ट' की स्थापना 1982 में की गई थी और यह दुनिया का पहला खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम और न्यूयॉर्क शहर का सबसे बड़ा खाद्य संरक्षण कार्यक्रम है।

भारत को 2022 में 111 अरब डॉलर से अधिक का प्रेषित धन मिलाः संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी ने कहा कि भारत को 2022 में 111 अरब डॉलर का प्रेषित धन प्राप्त हुआ जो दुनिया में सबसे अधिक है और इसी के साथ भारत 100 अरब डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने और बल्कि इसे पार करने वाला पहला देश बन गया है। 'इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन' (आईओएम) ने मंगलवार को जारी अपनी विश्व प्रवासन रिपोर्ट, 2024 में कहा कि 2022 में प्रेषित धन प्राप्त करने वाले शीर्ष पांच देशों में भारत, मेक्सिको, चीन, फिलीपीन और फ्रांस शामिल हैं। प्रेषित धन या 'रेमिटेंस' का आशय प्रवासियों द्वारा मूल देश में मित्रों और रिश्तेदारों को किये गए वित्तीय या अन्य तरह के हस्तांतरण से है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''भारत बाकी देशों में सबसे ऊपर रहा और उसे 111 अरब डॉलर से अधिक धनराशि मिली, जिसके साथ ही वह 100 अरब डॉलर तक पहुंचने और बल्कि इस आंकड़े को पार करने वाला पहला देश बन गया है। मेक्सिको 2022 में दूसरा सबसे ज्यादा प्रेषित धन प्राप्त करने वाला देश रहा। यह स्थान उसने 2021 में चीन को पीछे छोड़कर हासिल किया था। इससे पहले तक चीन भारत के बाद ऐतिहासिक रूप से प्रेषित धन प्राप्त करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश रहा है। रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, भारत 2010 (53.48 अरब डॉलर), 2015 (68.91 अरब डॉलर) और 2020 (83.15 अरब डॉलर) में भी प्रेषित धन प्राप्त करने वाला शीर्ष देश रहा। उसे 2022 में 111.22 अरब डॉलर का प्रेषित धन मिला। दक्षिण एशिया में तीन देश भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश दुनिया में अंतरराष्ट्रीय रूप से प्रेषित धन प्राप्त करने वाले 10 शीर्ष देशों में शामिल रहे जो इस उपक्षेत्र से श्रमिकों के प्रवास के महत्व को दिखाता है।

एक नजर

युगांडा बैडमिंटन टीम ने थॉमस और उबेर कप के सफल आयोजन के लिए की चीन की प्रशंसा

कंपाला। युगांडा की महिला बैडमिंटन टीम ने 2024 थॉमस और उबेर कप के उत्कृष्ट आयोजन के लिए चीन की सराहना की, जिसका समापन रविवार को चेंगदू में हुआ। चीन ने थॉमस और उबेर कप दोनों का खिताब जीता, जबकि युगांडा उबेर कप के ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया। जापान, इंडोनेशिया और हांगकांग चीन से ग्रुप सी के अपने सभी मैच हारने के बावजूद, युगांडा की टीम ने इस आयोजन के प्रदर्शन और संगठनात्मक गुणवत्ता को महत्व दिया। ट्रेसी नालुवोजा, हुसिना कोबुगाबे, शमिका मोहम्मद रफी और ग्लेडिस मबाज़ी वाली यह टीम उबेर कप में अपने पदार्पण के बाद सोमवार को युगांडा लौटी। नालुवूजा ने सिन्हुआ के हवाले से कहा, उबेर कप में खेलना एक अच्छा अनुभव था, और मेजबान चीन द्वारा पेशेवर आयोजन का स्तर बहुत उच्च स्तर का और बहुत यादगार था। एक महीने पहले घाना में अफ्रीकी खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली हुसिना कोबुगाबे और ग्लेडिस मबाज़ी की जोड़ी ने भी संगठन के स्तर पर अच्छे प्रदर्शन के लिए चीन की प्रशंसा की। मबाज़ी ने कहा, यह हम में से कुछ लोगों के लिए बहुत बड़ा मंच था, और संगठन का स्तर भी बहुत बढ़िया था, जिसमें चीन ने बहुत बढ़िया काम किया। उनके समकक्ष कोबुगाबे ने बताया कि यह आयोजन दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ बहुत प्रतिस्पर्धी था और अच्छी तरह से आयोजित किया गया था। युगांडा बैडमिंटन एसोसिएशन (यूबीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी साइमन मुगाबी ने कहा कि हालांकि टीम युगांडा ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई, लेकिन यह उनके लिए एक अच्छा अनुभव था।

डॉर्टमंड ने पीएसजी को हराकर चैंपियंस लीग के फाइनल में किया प्रवेश

पेरिस। बोरूसिया डॉर्टमंड ने मंगलवार को पेरिस सेंट जर्मेन को 1-0 से हराकर 2013 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग के फाइनल में प्रवेश किया। यह जीत उसने घरेलू सत्र में निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद हासिल की। डॉर्टमंड ने 2-0 के कुल स्कोर के साथ अपना स्थान सुरक्षित कर लिया, क्योंकि टीम ने पहला चरण भी 1-0 से जीता था। दोनों टीमों ने पहले हाफ में शानदार खेल दिखाया, फलस्वरूप पहला हाफ गोलरहित समाप्त हुआ। दूसरे हाफ में निर्णायक गोल तब हुआ जब मैट्स हम्मेल्स ने जूलियन ब्रांट के कॉर्नर से दिये गए पास को हेडर के जरिये गोल पोस्ट में डालकर डॉर्टमंड को 1-0 की बढ़त दिला दी और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

सीज़न की शुरुआत में, कोई भी उम्मीद नहीं कर सकता था कि डॉर्टमंड चैंपियंस लीग के फ़ाइनल में पहुँच जाएगा, क्योंकि उन्हें पीएसजी, एसी मिलान और न्यूकैसल के साथ एक कठिन ग्रुप में रखा गया था। लेकिन एडिन टेरज़िक की टीम ने राउंड ऑफ़ 16 में पीएसवी आइंडहोवन को हराने से पहले शीर्ष स्थान हासिल किया और फिर क्वार्टर फ़ाइनल में एटलेटिको मैड्रिड को हराया। दूसरे सेमीफाइनल में बुंडेसलीगा के बायर्न म्यूनिख का मुकाबला रियल मैड्रिड से होगा, जिसका पहला चरण म्यूनिख में 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। चैंपियंस लीग का फाइनल 1 जून को लंदन के वेम्बली स्टेडियम में खेला जाएगा।

एफआईवीबी शुरू करेगा वॉलीबॉल फाउंडेशन

जिनेवा। वॉलीबॉल महासंघ (एफआईवीबी) ने 30 मई को एफआईवीबी वॉलीबॉल फाउंडेशन के शुभारंभ की घोषणा की है। विश्व वॉलीबॉल की शासी संस्था ने मंगलवार को बताया कि शुभारंभ समारोह के दौरान, सामुदायिक सेवा परियोजनाओं के लिए धन जुटाने हेतु एक नीलामी भी आयोजित की जाएगी। एफआईवीबी ने अपने बयान में कहा, एफआईवीबी वॉलीबॉल फाउंडेशन दुनिया भर में सामुदायिक परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए वॉलीबॉल की वैश्विक पहुंच और शक्ति का उपयोग करता है, जिसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दुनिया भर से अग्रणी परियोजनाओं की पहचान करके, फाउंडेशन, वॉलीबॉल के माध्यम से समुदायों के सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने वाली प्रमाणित परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए धन और संसाधन प्रदान करता है। इस समारोह में वैश्विक वॉलीबॉल परिवार, ओलंपिक आंदोलन और अन्य क्षेत्रों से अतिथियों के आने की उम्मीद है, जिसमें सरकारी अधिकारी, एथलीट और सामाजिक विकास के पक्षधर शामिल हैं। नीलामी में ओलंपिक और विश्व चैंपियन के साथ-साथ वॉलीबॉल के दिग्गजों द्वारा दान की गई वॉलीबॉल की यादगार चीजें भी शामिल होंगी।

ट्रैविस और अभिषेक के तूफानी पारी से हैदराबाद ने लखनऊ को 10 विकेट से हराया

हैदराबाद, एजेंसी। ट्रैविस हेड (89) और अभिषेक शर्मा (75) रनों की तूफानी अर्धशतकीय पारियों के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 57वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को रिकार्ड 10 विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ हैदराबाद अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है।

हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा ने आईपीएल के इतिहास की सबसे तेज लक्ष्य का पीछा कर जीतने का रिकार्ड बनाया। आईपीएल के इतिहास में पहली सलामी जोड़ी के बीच पहले विकेट के लिए रिकार्ड 167 रनों की साझेदारी हुई। ट्रैविस हेड ने 30 गेंदों में आठ चौके और आठ छक्के लगाते हुए नाबाद 89 रनों की पारी खेली। वहीं उनके जोड़ीदार अभिषेक शर्मा ने 28 गेंदों में आठ चौके और छह छक्के जड़ते हुए नाबाद (75) रन बनाये। हैदाराबाद ने 9.4 ओवर में 167 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से जीत लिया। लखनऊ का कोई भी गेंदबाज विकेट लेने में नाकाम रहा। इससे पहले आयुष बदोनी नाबाद (55) और निकोलस पूरन नाबाद (48) की पारियों की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को जीत के लिए 166 रनों का लक्ष्य दिया है। आज यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की शुरुआत धीमी और खराब रही। उसने तीसरे ओवर में क्विंटन डिकॉक (2) का विकेट गवां दिया। इसके बाद पांचवें ओवर में मार्कस स्टॉयनिस (3) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। कप्तान के एल राहुल और क्रुणाल पांड्या ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में पैट कमिंस ने के एल राहुल (29) को नटराजन के हाथों कैच आउट करा दिया। 12वें ओवर में क्रुणाल पांड्या (24) रनआउट हुये। उसके बाद आयुष बदोनी और निकोलस पूरन ने पारी को संभाला। आयुष बदोनी ने 30 गेंदों में नौ चौकों की मदद से नाबाद (55) बनाये। वहीं निकोलस पूरन 26 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 48 रनों की पारी खेली। दोनों के बीच पांचवें विकेट लिये 99 रनों की साझेदारी हुई। लखनऊ सुपर जायंट्स ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट के नुकसान पर 165 रन बनाये। हैदराबाद की ओर से भुवनेश्वर कुमार ने दो विकेट लिये। पैट कमिंस ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

पंजाब किंग्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की नजरें लगातार चौथी जीत पर

धर्मशाला, एजेंसी। आत्मविश्वास से भरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की टीम गुरुवार को यहां जब पंजाब किंग्स से भिड़ेगी तो उसकी नजरें इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार चौथी जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी। सत्र की बेहद खराब शुरुआत के बाद आरसीबी की टीम ने लगातार तीन जीत के साथ टूर्नामेंट में वापसी की है और शानदार लय में चल रही है।

इन जीत से टीम का मनोबल तो बढ़ा ही है, साथ ही वह अंक तालिका में भी सातवें स्थान पर पहुंच गई है। आरसीबी के 11 मैच में आठ अंक हैं और अगर वह अपने बाकी बचे तीनों मैच जीत लेती है तो उसकी प्ले ऑफ में जगह बनाने की मामूली उम्मीद जीवंत रहेगी। पंजाब किंग्स की स्थिति भी ऐसी ही है। टीम 11 मैच में आठ अंक के साथ आठवें स्थान पर है। इन दोनों में से हालांकि एक ही टीम 14 अंक के आंकड़े को छू पाएगी। सत्र के पहले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत और पिछले तीन मुकाबले जीतने के बाद आरसीबी की टीम आत्मविश्वास से भरी है। दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली शीर्ष पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जबकि कप्तान फाफ डुप्लेसी ने पिछले मैच में उम्दा पारी खेलकर फॉर्म में वापसी की। विल जैक्स ने भी गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत के दौरान शतक जड़कर प्रभावित किया जबकि कैमरन ग्रीन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ गेंद और बल्ले से योगदान देकर अपनी उपयोगिता साबित की। टीम के गेंदबाज भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल मोहम्मद सिराज अंतत: लय में लौट आए हैं। यश दयाल और विजयकुमार विशाक ने भी टाइटंस के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया और आरसीबी को उनसे इस लय को जारी रखने की उम्मीद होगी। दूसरी तरफ चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बल्लेबाजी क्रम के घुटने टेकने के बाद पंजाब किंग्स का आत्मविश्वास कम होगा। पंजाब किंग्स ने सुपरकिंग्स के खिलाफ अपना सबसे अच्छा और सबसे खराब प्रदर्शन किया। उनके गेंदबाज सुपरकिंग्स के सभी बल्लेबाजों पर हावी रहे लेकिन बल्लेबाजी इकाई ने निराश किया। पंजाब किंग्स के लिए मौजूदा सत्र उतार-चढ़ाव भरा रहा। टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स और सुपरकिंग्स को उन्हीं के मैदान पर हराकर अपनी क्षमता दिखाई। नाइट राइडर्स के खिलाफ उन्होंने सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा किया। हालांकि उन्हें अपने घरेलू मैदान पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने अपने मुख्य घरेलू मैदान मुल्लांपुर में पांच में से सिर्फ एक मैच जीता। आयोजन स्थल में बदलाव का भी टीम को फायदा नहीं मिला और उसे पिछले मैच में हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम में भी हार का सामना करना पड़ा। पंजाब की टीम अपने घरेलू मैदान पर शानदार ढंग से अभियान समाप्त करने की उम्मीद करेगी लेकिन ऐसा करने के लिए टीम को एकजुट होकर प्रदर्शन करना होगा।

बांग्लादेश का सूपड़ा साफ करने उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

सिलहट (बांग्लादेश)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को जब यहां पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बांग्लादेश का सामना करेगी तो उसका लक्ष्य मौसम से प्रभावित श्रृंखला में 5-0 से क्लीन स्वीप करना होगा। भारतीय गेंदबाजों ने अभी तक बल्लेबाजों की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया है हालांकि अभी तक जो चार मैच खेले गए हैं उनमें से दो मैचों में बारिश के कारण ओवरों की संख्या कम कर दी गई थी। दूसरे मैच में भारतीय टीम को 5.2 ओवर में केवल 29 रन का लक्ष्य हासिल करना था। इस तरह से बल्लेबाजों को अभी तक कम मौका मिला है। भारत की तरफ से अभी तक केवल एक अर्धशतक शेफाली वर्मा (51) ने पहले मैच में लगाया था। स्मृति मंधाना का उच्चतम स्कोर 47 जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर का 39 रन है। यह प्रदर्शन टीम के बल्लेबाजी प्रदर्शन को अच्छी तरह से प्रदर्शित नहीं करता है विशेषकर तब जबकि अक्टूबर में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी बांग्लादेश को करनी है। स्मृति और हरमनप्रीत गुरुवार को मौके का पूरा फायदा उठाकर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे।

हरमनप्रीत ने चौथे मैच में 26 गेंद पर 39 रन बनाए थे और वह उसी लय को बरकरार रखने की कोशिश करेंगी। खराब मौसम के कारण यह मैच 14 ओवर का कर दिया गया था तथा भारत ने इस मैच में डकवर्थ लुईस पद्धति से 56 रन से जीत दर्ज की थी। शेफाली के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रही है हालांकि उन्होंने श्रृंखला में अभी तक भारत की तरफ से सर्वाधिक 84 रन बनाए हैं। उनके बाद स्मृति (83) और हरमनप्रीत (75) का नंबर आता है। बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना भी पहले मैच में अर्धशतक लगाने के बाद अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं। उन्होंने चार मैच में अभी तक 86 रन बनाए हैं। बांग्लादेश की टीम उनसे बड़े स्कोर की उम्मीद कर रही है। भारतीय गेंदबाजों के सामने हालांकि उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा जिन्होंने धीमी पिचों पर अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत की तरफ से बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव ने सर्वाधिक सात विकेट लिए हैं। उन्हें तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर (5 विकेट) और रेणुका सिंह (4) तथा ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल (4) का अच्छा सहयोग मिला है। अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा ने भी 5 विकेट हासिल किए हैं। बांग्लादेश ने भारत के खिलाफ आखिरी टी20 मैच 2023 में मीरपुर में जीता था। सुल्ताना उस मैच का हिस्सा थी।

पापुआ न्यू गिनी ने टी20 विश्व कप 2024 के लिए घोषित की टीम, असद वाला होंगे कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। पापुआ न्यू गिनी ने आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह इस टूर्नामेंट में पापुआ न्यू गिनी की दूसरी उपस्थिति होगी। टीम को टूर्नामेंट में ग्रुप सी में रखा गया है। टूर्नामेंट के 2021 संस्करण की तरह, असद वाला टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जिन्होंने जुलाई 2023 में पूर्वी एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय फाइनल के माध्यम से इस वर्ष की प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया है। कप्तान ने स्वीकार किया कि 2021 में कोविड जटिलताओं से निपटने के बाद टीम इस साल के मुकाबले के लिए अधिक तैयार है, और इस बार कैरिबियन में उन्हें काफी उम्मीदें हैं। लेग स्पिन ऑलराउंडर सीजे अमिनी टीम के उपकप्तान होंगे। आईसीसी के हवाले से असद ने कहा, टीम के अंदर ऊर्जा बहुत अच्छी है। पिछले टी20 विश्व कप में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ियों के लिए अब बहुत ज़्यादा प्रशिक्षण के साथ एक अलग एहसास है, क्योंकि पिछली बार कोविड के दौरान प्रशिक्षण हुआ था और तैयारी उतनी अच्छी नहीं थी, जितनी कि हम अभी कर रहे हैं। मैं इस आयोजन का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, क्योंकि मुझे पता है कि हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे। पापुआ न्यू गिनी इस प्रतियोगिता के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में अजेय रही थी, टीम ने घरेलू धरती पर लगातार छह मैच जीते और क्षेत्रीय फाइनल में जापान, वानुअतु और फिलीपींस को हराया। पापुआ न्यू गिनी की टीम अपने अभियान की शुरुआत 2 जून को मेजबान वेस्टइंडीज के साथ एक कठिन मुकाबले से करेगी, उसके बाद 5 जून को युगांडा से भिड़ेगी, दोनों टीमें टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश में होंगी। वे 13 जून को अफगानिस्तान का सामना करेंगे, उसके बाद ग्रुप स्टेज की लड़ाई में पूर्वी एशिया-प्रशांत की दिग्गज टीम न्यूजीलैंड से भिड़ेगी।

पापुआ न्यू गिनी की टीम

असदुल्ला वाला (कप्तान), सीजे अमिनी (उपकप्तान), एली नाओ, चाड सोपर, हिला वेरे, हिरी हिरी, जैक गार्डनर, जॉन कारिको, कबुआ वागी मोरिया, किपलिंग डोरिगा, लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, सेमा कामिया, सेसे बाउ, टोनी उरा।

व्हीलचेयर टेनिस चैम्पियनशिप के माध्यम से एथलीटों को सशक्त बनाने के लिए फर्स्ट सर्व और एआईटीए आए साथ

नई दिल्ली। रेयान पुंज द्वारा स्थापित एनजीओ फर्स्ट सर्व ने हाल ही में यहां डीएलटीए स्टेडियम में एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप के दूसरे संस्करण का आयोजन किया, जो भारत में टेनिस के खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम है। रेयान पुंज के नेतृत्व में फर्स्ट सर्व ने दिव्यांग लोगों के लिए खेलों का आयोजन और इसकी बढ़ोतरी के लिए हमेशा आवाज उठाई है। हर बाधाओं को दूर करने और एथलीटों के लिए अवसर पैदा करने का संगठन का मिशन पूरे देश में गूंज रहा है, इसलिए एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप भारतीय टेनिस परिदृश्य में एक प्रमुख आयोजन के रूप में उभर रही है। चैंपियनशिप में 3.5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया, जो पूरे भारत के शीर्ष क्रम के व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ियों को आकर्षित करता है। कार्तिक के और शिल्पा केपी जैसे प्रसिद्ध एथलीटों ने इसमें भाग लिया और राष्ट्रीय गौरव के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप का उद्घाटन राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने किया। दूरदर्शन-डीडी स्पोर्ट्स ने चैंपियनशिप फाइनल का लाइव कवरेज किया, जिसमें देश भर के दर्शकों को कौशल का प्रदर्शन देखने का मौका मिला। इस मौके पर रेयान पुंज ने कहा, मैं खेलों में पहुंच और सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के लिए एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप के साथ सहयोग कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। टेनिस के माध्यम से, हमारा लक्ष्य नई पीढ़ी को प्रेरित करना है जो अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाएंगे। यह पहल सामाजिक प्रभाव और युवा सशक्तिकरण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता जताता है। इस चैम्पियनशिप के माध्यम से एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप और फर्स्ट सर्व एनजीओ का लक्ष्य नई पीढ़ी को प्रेरित करना है जो अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया की डब्ल्यूटीसी जीत और एशेज पर आधारित 'द टेस्ट' के तीसरे सीज़न का ट्रेलर जारी

सिडनी। द टेस्ट के तीसरे सीज़न का ट्रेलर बुधवार को जारी हो गया है, जिसमें भारत के खिलाफ आईसीसी पुरुष विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत और फिर उसके बाद एशेज श्रृंखला के अभियान को दिखाया गया है। आगामी सीज़न में ऑस्ट्रेलियाई टीम के उस दौर को दिखाया जाएगा जिसमें उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का खिताब जीता और प्रतिष्ठित एशेज को बरकरार रखा।

ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत के खिलाफ बहुप्रतीक्षित विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले ब्रिटेन पहुंच गई थी। फाइनल से कुछ महीने पहले, ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में भारत के खिलाफ घर से बाहर 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था, जिससे दो महान आधुनिक प्रतिद्वंद्वियों के बीच एक और रोमांचक मुकाबले के लिए मंच तैयार हो गया था। मैच में पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने के बाद, भारत ने अच्छी शुरुआत की और केवल 76 रन पर ऑस्ट्रेलिया के तीन विकेट गिरा दिये। हालांकि, इसके बाद एक छोर पर स्टीव स्मिथ और दूसरे छोर पर ट्रैविस हेड की शानदार बल्लेबाजी देखने को मिली। दोनों ने मिलकर ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल से उबारा और मैराथन 285 रनों की साझेदारी करके टीम को मजबूती प्रदान कर दी। दोनों ने शतक लगाते हुए अपनी टीम को 468 रनों तक पहुंचा दिया। जवाब में रोहित शर्मा की टीम की पारी लड़खड़ा गई, कई बल्लेबाजों ने ठोस शुरुआत की लेकिन उसे बड़े स्कोर में तब्दील करने में विफल रहे। वापसी कर रहे अजिंक्य रहाणे ने 89 रनों की पारी खेलकर भारत को संभाला, जिसमें निचले क्रम में रवींद्र जडेजा (48) और शार्दुल ठाकुर (51) का योगदान रहा। भारतीय टीम अपनी पहली पारी में 296 रन पर सिमट गई। भारत ने दूसरी पारी में बेहतर गेंदबाजी का प्रदर्शन किया, लेकिन ऑस्ट्रेलिया को मिली 173 रनों की बढ़त ने अंतर पैदा कर दिया और उन्होंने 270 रन और जोड़कर भारत को 444 रनों का लक्ष्य दिया। भारत ने लक्ष्य का पीछा करना शुरू किया, लेकिन जल्दी-जल्दी विकेट गंवाने के कारण लड़खड़ा गया, भारतीय टीम ने 93 रन पर 3 विकेट को दिये, इसके बाद विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे ने टीम को वापसी दिलाने की कोशिश की। इस अनुभवी जोड़ी ने अंतिम दिन उम्मीद की किरण जगाई, जब भारत को 7 विकेट शेष रहते 280 रन की आवश्यकता थी। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने 5वें दिन पूरी ताकत से गेंदबाजी की और भारत को 234 रनों पर आउट कर पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अपने नाम की। ऑस्ट्रेलिया ने डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल के पांच दिन बाद ही एशेज सीरीज खेलने गई। ऑस्ट्रेलिया ने पहले मैच में धमाकेदार प्रदर्शन किया और आखिरी पारी में 281 रनों का पीछा करते हुए पैट कमिंस की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत दो विकेट से जीत दर्ज की। दूसरा टेस्ट भी उतना ही रोमांचक रहा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने एक बार फिर 43 रनों से जीत दर्ज की। 2-0 से पिछड़ने के बावजूद इंग्लैंड ने शानदार वापसी की और अगले दो टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर कर ली।

एक नजर

कांग्रेस ने हमेशा किया गरीबी हटाने का झूठा चुनावी वादा-भजनलाल

मलकाजगिरी,एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर हमेशा से गरीबी हटाने को लेकर केवल झूठे चुनावी वादे करते आने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इसने केवल वोट के लिए नारा ही दिया जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में अभूतपूर्व विकास कराया और इस बदलाव को जनता ने महसूस भी किया है। श्री शर्मा बुधवार को तेलंगाना के मलकाजगिरी लोकसभा क्षेत्र के मेडचल में आयोजित प्रवासी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने गरीब कल्याण के लिए वर्ष 2014 से घर-घर शौचालय, किसान सम्मान निधि, हर घर नल से जल, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से काम किया है और देश में हुए अभूतपूर्व विकास के बदलाव को जनता ने महसूस किया है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले कांग्रेस के शासन में देश में भ्रष्टाचार की नई-नई इबारतें लिखी जाती थी। उस समय जमीन-पाताल- आसमान में भ्रष्टाचार और देश में आतंकवाद का बोलबाला था। पहले कहा जाता था कि केन्द्र से एक रुपया भेजने पर 15 पैसे ही पहुंचते थे, क्योंकि उस समय योजनाओं के पैसों में कट-मनी चलती थी। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से देश में बदलाव आया है। अब यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में किसान सम्मान निधि, उज्जवला योजना में जनता को पूरा पैसा मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा देश की जनता को मोदीजी पर अटूट विश्वास है। इसलिए इस लोकसभा चुनाव में हम 400 पार सीटों का लक्ष्य हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि मोदीजी जो कहते हैं, वो करते हैं और वर्ष 2014 और 2019 के संकल्प पत्रों को पूरा करने का काम किया है। इस बार भी मोदीजी की गारंटी का मतलब काम पूरा होने की गारंटी है। मुख्यमंत्री ने लोगों से पहले मतदान फिर जलपान का आह्वान करते हुए कहा कि मतदाता अपना राष्ट्रहित का कर्तव्य निभाएं और मलकाजगिरी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी ईटेला राजेन्दर को भारी मतों से विजयी बनाएं।

कांग्रेस धर्म और जाति के नाम पर देश को बांटती है: स्मृति

अमेठी। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी स्मृति ईरानी ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस देश को धर्म और जाति के नाम पर बांटती रही है। श्रीमती ईरानी ने यहां एक चुनावी जनसभा में कहा कि कांग्रेस का एक और घिनौना सच पता चला है कि रंग और क्षेत्र के आधार पर भी कांग्रेस ने देश को अपमानित करने और बांटने का दुस्साहस किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश को धर्म और जाति के नाम पर बांटने का काम करती चली आ रही है। कांग्रेस पार्टी का एक और घिनौना सच का पता चला है। इस देश में कौन किस रंग का है कौन किस भाग का है। कांग्रेस पार्टी उसके आधार पर भी हमारे देशवासियों को बांटने और अपमान करने का दुस्साहस करती है। आज एक कांग्रेस नेता ने जो बोला है, वह केवल निंदनीय ही नही है बल्कि वह राहुल गांधी और गांधी परिवार की सोच को देश के प्रति प्रदर्शित करती है। इस दौरान स्मृति ईरानी ने केंद्र सरकार की योजनाओं को गिनते हुए लोगों से कमल के फूल के पक्ष में मतदान करने की अपील किया। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी से तीसरी बार भाजपा प्रत्याशी के रूप में मैदान में है। 2019 के चुनाव में स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को अमेठी से चुनाव हरा दिया था। इस बार कांग्रेस ने उनके मुकाबले में गांधी परिवार के खास एवं विश्वासपात्र के एल शर्मा को चुनावी मैदान में उतारा है।

केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर के लोगों का अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है: महबूबा

श्रीनगर,एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर के लोगों की पहचान और अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है। सुश्री मुफ्ती ने पार्टी उम्मीदवार के लिए प्रचार करते हुए मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के चदूरा इलाके में मीडियाकर्मियों से कहा, पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद केंद्र सरकार हमारे कानून, राज्य के विषय, अधिवास और भूमि की स्थिति को बदलने के लिए प्रत्येक दिन नए-नए फरमान जारी कर रही है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को समाप्त करने के बाद भी सब कुछ समाप्त नहीं हुआ है लेकिन केंद्र सरकार सारे अधिकार छीनने और लोगों को उनकी जमीनों से बेदखल करने पर तुली हुई है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि यहां के लोगों को ऊंची दरों पर बिजली प्रदान की जा रही है जबकि देश के अन्य हिस्सों को सस्ती दरों पर और यहां तक कि मुफ्त में बिजली मिल रही है।

पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि %इन चुनावों में हिस्सा लेना आवश्यक हो गया था जिससे लोग केंद्र सरकार को यह संदेश दे सकें कि उन्होंने 2019 में जो किया वह असंवैधानिक और तार्किक रूप से अवैध था और जम्मू-कश्मीर के लोगों को स्वीकार्य नहीं था। सुश्री महबूबा ने लोगों से पार्टी को वोट देने की अपील की जो राष्ट्रीय राजधानी में जम्मू-कश्मीर के लोगों के मुद्दों को सच्चाई के साथ और निडरता से उठाएगी। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि पीडीपी लोगों के दिलों में बसती है। हो सकता है कि लोग कुछ समय के लिए पीडीपी से नाराज हों, लेकिन लोग समझते हैं कि पीडीपी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो बहुत कम समय तक सरकार में रही और कई प्रमुख कार्य किये। उन्होंने कहा कि अगर पीडीपी के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद के तीन वर्षों के शासन की तुलना की जाए तो श्रीनगर-मुजफ्फराबाद और रावलकोट की सड़कें खोली गईं, जो जम्मू-कश्मीर के राजनेताओं और लोगों के दिमाग में कभी नहीं आई थीं। उन्होंने कहा कि उपमहाद्वीप में तनाव में कमी लाने के लिए उनके कार्यकाल में पाकिस्तान के साथ बातचीत हुई थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पीडीपी लोगों के दिलों में रहती है, इसे खत्म करना आसान नहीं है। एक अन्य सवाल के जवाब में सुश्री मुफ्ती ने कहा कि वह नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला के साथ कोई लड़ाई नहीं चाहतीं। उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि लोग जम्मू-कश्मीर में वर्तमान स्थिति को समझें और ऐसी पार्टी के पक्ष में मतदान करें जो लोगों के मुद्दे को उठाए और बिना किसी डर के दिल्ली में सच्चाई बताए।

अग्निवीर को चार साल मगर नेतावीरों के लिये 80 साल भी कम: टिकैत

बाराबंकी,एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना पर तंज कसते हुये कहा कि देश की सरहद की सुरक्षा करने वाले अग्निवीरों को सिर्फ चार साल अपनी योग्यता दिखाने के लिये मिलते हैं वहीं दूसरी ओर नेतावीर 80 साल की उम्र में भी न सिर्फ चुनाव लड़ सकते हैं बल्कि पेंशन और अन्य सुविधाओं का भी लाभ उठाते हैं।

किसान नेता मुकेश सिंह की पांचवी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने के बाद राकेश टिकैत ने पत्रकारों से बातचीच में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज किसानों की आय तो दोगुनी नहीं हुई, लेकिन महंगाई जरूर दोगुनी हो गई है। राजा का काम है बहकाना। ठीक उसी तरह प्रधानमंत्री मोदी ने भी जनता को बहकाने का काम किया। राजा के बहकावे में जनता भी आ गई। उन्होंने अग्निवीर योजना की आलोचना करते हुए कहा कि आज अग्निवीर चार साल और नेतावीर 80 साल तक सत्ता में रहते हैं और बाद मैं उनको पेंशन भी मिलती है जबकि अग्निवीर को चार साल बाद निकाल दिया जाता है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में किसानों के कर्जा माफ करने के वादे को लेकर राकेश टिकैत ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों ने किसानों के मुद्दे को अपने घोषणा पत्र में शामिल किया है। किसानों के मुद्दे सभी राजनीतिक दलों की मजबूरी है। क्योंकि जिसकी भी सरकार आएगी, उसे कर्जा माफी के साथ-साथ एमएसपी गारंटी कानून जैसे मुद्दों को छूना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि 2014 में कहकर आये कि यह सरकार भारतीय जनता पार्टी की है। लेकिन यह सरकार बीजेपी की नहीं है। अगर यह सरकार किसी राजनीतिक दल की होती तो काम जरूर करती। यह सरकार पूंजीपतियों का गैंग है। पूंजीपतियों ने पहले भाजपा पर कब्जा किया। फिर भाजपा ने देश पर कब्जा कर लिया। इसलिये यह सरकार भाजपा की नहीं बल्कि पूंजीपतियों की है। आने वाले समय में किसान, आदिवासियों, दुकानदारों, मजदूरों का क्या हाल होगा। यह समय बताएगा। टिकैत ने कहा कि अब तक युवा सेना में कम से कम 15 साल तक सेवा दे सकते थे और रिटायरमेंट के बाद पेंशन भी मिलती थी, लेकिन नई योजना के तहत जब वो रिटायर होंगे तो उन्हें बिना पेंशन के ही अपने घर लौटना होगा।

शेयर बाजार में घटबढ़

मुंबई,एजेंसी। एशियाई बाजारों के नकारात्मक रुझान के दबाव में स्थानीय स्तर पर वित्तीय सेवाएं, आईटी, बैंकिंग और टेक समेत छह समूहों में हुई बिकवाली से आज सेंसेक्स फिसल गया जबकि निफ्टी हरे निशान पर बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 45.46 अंक उतरकर 73,466.39 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी बढ़त के साथ 22,302.50 अंक पर रहा। हालांकि मझौली और छोटी कंपनियों में हुई लिवाली ने बाजार को और अधिक गिरने से बचाया। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.78 प्रतिशत की छलांग लगाकर 41,531.57 अंक और स्मौलकैप 0.50 प्रतिशत उछलकर 46,148.67 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3926 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2128 में लिवाली जबकि 1667 में बिकवाली हुई वहीं 131 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी 25 कंपनियां तेजी जबकि 24 गिरावट पर रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे। बीएसई के छह समूहों में गिरावट का रुख रहा। इससे वित्तीय सेवाएं 0.40, हेल्थकेयर 0.03, आईटी 0.57, बैंकिंग 0.38, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.11 और टेक समूह के शेयर 0.29 प्रतिशत टूट गए। वहीं, ऊर्जा 1.67, इंडस्ट्रियल्स 1.79, यूटिलिटीज 0.94, ऑटो 1.18, कैपिटल गुड्स 2.13, धातु 1.61, तेल एवं गैस 1.79, पावर 1.55, रियल्टी 0.65 और सविसेज समूह के शेयरों में 0.80 प्रतिशत की तेजी रही। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एशियाई बाजारों में गिरावट रही। इस दौरान जापान का निक्केई 1.63, हांगकांग का हैंगसेंग 0.90 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.61 प्रतिशत लुढ़क गया। वहीं, ब्रिटेन का एफटीएसई 0.52 और जर्मनी का डैक्स 0.54 प्रतिशत मजबूत रहा। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 287 अंक लुढ़ककर 73,225.00 अंक पर खुला और भारी बिकवाली के दबाव में दोपहर से पहले 73,073.92 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया लेकिन लिवाली शुरू होने से दोपहर बाद 73,684.93 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि एक बार फिर बिकवाली हावी होने से गिरावट आई। संभलने की तमाम कोशिशों के बावजूद अंत में पिछले कारोबारी दिवस के 73,511.85 अंक के मुकाबले 0.06 प्रतिशत उतरकर 73,466.39 अंक रह गया। इसी तरह निफ्टी भी 71 अंक गिरकर 22,231.20 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 22,185.20 अंक के निचले जबकि 22,368.65 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 22,302.50 अंक की तुलना में सकारात्मक रुझान के साथ 22,302.50 अंक पर सपाट रहा।

कंगना रनौत ने कला जगत में कमाया नाम, राजनीति में करेगी अच्छा: जेपी नड्डा

मंडी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि दस साल पहले भारत की राजनीति में उदासीनता का आलम था। सामान्य मनुष्य में भी ये मानसिकता थी कि कुछ नहीं बदलने वाला है। आज दस वर्षों बाद नरेंद्र भाई मोदी की दूरदर्शिता के कारण साधारण मनुष्य भी बोलने लगा है कि भारत बदलने लगा है। अब एक मजबूत राष्ट्र उभर कर विकसित भारत बना है। मंडी संसदीय क्षेत्र के तहत नाचन के सेगली में भाजपा की पहली बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि यह चुनाव आपकी प्रत्याशी कंगना रनौत मात्र का नहीं है। ये विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का चुनाव है। आज एक तरफ़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा सशक्त नेतृत्व है और दूसरी तरफ इंडी अलायंस परिवारवाद से ग्रस्त है। ये लोग भ्रष्टाचारियों को बचाना चाहते हैं। महबूबा से लेकर चौटाला, मुलायम यादव, लालू प्रसाद यादव, ममता, के सी आर, उदयनिधि स्टालिन, शरद यादव, उद्धव ठाकरे, और राहुल-प्रियंका सब परिवारवाद से जुड़े और भ्रष्टाचारी पार्टियों के प्रतिनिधि हैं। कांग्रेस पार्टी जाति और क्षेत्रवाद की राजनीति करती है। धर्म को धर्म से लड़ाती है। वोट बैंक की राजनीति कर तुष्टिकरण को बढ़ावा देती है। इन्होंने पहले जाति पर वोट मांगे और अब संविधान बचाने के लिए मांग रहे हैं। आधे से ज्यादा नेता तो इनके जेल में हैं। ये आपका वोट लेकर विकास नहीं अपने घर भरेंगे।

उन्होंने मंडी की जनता से आग्रह किया कि आपने पिछली बार विधानसभा में जो गलती की है ये उसी का परिणाम है कि आज विकास थम गया है। ये कांग्रेसी जब सत्ता में आते हैं तो केंद्र से होने वाले विकास में रोड़ा अटकाते हैं। इन्होंने आपका शिवधाम निर्माण भी रोका और हवाई अड्डा भी। अब तीसरी बार फिर हमारी सरकार बनने वाली है तो यहां रेल भी आएगी और हवाई जहाज भी उतरेंगे। आपने पहली जून को सिर्फ़ कमल का बटन दबाना है। इन्होने आपके एक हजार संस्थान बंद किए जो हमारी जयराम ठाकुर सरकार ने खोले थे। तीन विधायक और इस्तीफा दे चुके हैं लेकिन स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। ये डरे हुए हैं कि सत्ता से बाहर हो जाएंगे। आजकल तो ऐसा लग रहा है जैसे अंधेर नगरी चौपट राजा, टेके सेर भाजी टके सेर खा जा। आपदा में केंद्र ने खुलकर राहत राशि भेजी लेकिन ये मुकर रहे हैं। मेरे पत्रकार भाई नोट करें हमने दस जुलाई को आपदा आने के दो दिन बाद ही 190 करोड़ भेजे। 14 जुलाई को मैंने खुद आकर जायजा लिया और उसी दिन 180 करोड़ और भेजे। एक अगस्त को केंद्रीय मंत्री और जयराम जी ने दौरा फिर किया तो हमने 400 करोड़ और भेजे। 20 अगस्त को दो सौ करोड़ और भेजे जबकि 12 दिसंबर को 600 करोड़ की राहत राशि और राहत कार्यों के लिए दी। कुल 1782 करोड़ और प्रधानमंत्री आवास योजना में 10 हजार घर दिए। सड़कों के लिए चार हजार करोड़ जारी किया। इन्होंने इतनी राशि कहां लगाई। इन्होंने इसकी अपने चहेतों में बंदरबांट की। अब तो ऐसा लग रहा है अंधा बांटे रेवड़ी मुड़ मुड़ कर अपनों को दे। इन्होंने केंद्र से मिली राहत राशि को न्याय पूर्वक नहीं वितरित किया। उन्होंने कहा कि कंगना हमारी बेटी और बहन है। कला जगत में इसने नाम कमाया है और राजनीति में अच्छा करेगी। पहाड़ी बेटी ने हमें आज गौरवान्वित किया है। वरना कालका पार करते ही पता चलता है कि कितना परिश्रम करना पड़ता है। कंगना सांसद बनकर प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत ने सभा को संबोधित किया। देरशाम उन्होंने होटल विस्को में भाजपा नेताओं के साथ बैठक की।

झामुमो-कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचारियों को दे रही संरक्षण: मरांडी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को प्रदेश की झामुमो-कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दे रही है, उसे बचने का काम कर रही है। सत्ता में शामिल लोगों की तिजोरी तक भ्रष्टाचार का पैसा पहुंच रहा है। मरांडी ने कहा कि इनके मंत्री के आप्त सचिव के नौकर के यहां से छापे में 35 करोड़ रुपये मिले हैं। ऐसे में मंत्री और सचिव के यहां छापा मारने पर कितने रुपये मिलेंगे, इसका अनुमान लगा पाना भी मुश्किल है। हरमू रोड स्थित मीडिया सेंटर में आरोप पत्र जारी करते उन्होंने कहा कि झारखंड में सत्ता पर बैठे लोग राज्य को लूटने और कमाने में लगे हैं। कांग्रेस और झामुमो की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। कांग्रेस शुरू से झारखंड और झारखंडवासियों की विरोधी रही है।

विधायक सीपी सिंह ने बताया कि भाजपा की ओर से जारी 28 पन्ने के आरोप पत्र में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भ्रष्टाचार का जिक्र है। साथ ही हेमंत सरकार पार्ट 2 (चंपाई सरकार) के कारनामों का भी जिक्र किया गया है। राज्य सरकार द्वारा किए गए वादे और उसके हकीकत को बयां किया गया है। उन्होंने कहा कि आरोप पत्र में भ्रष्टाचार को उठाया गया है। इसमें बताया गया है कि कांग्रेस के सांसद के विभिन्न ठिकानों से 350 करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी बरामद की गई है। बालू, कोयला, पत्थर का अवैध खनन, जमीन की लूट, शराब घोटाले ने झारखंड को कलंकित किया है। आजाद भारत में किसी राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा खुद के नाम पर खनन पट्टा लेने से राज्य पहले ही कलंकित हुआ है। राज्य में स्टेट स्पॉन्सर्ड करप्शन है। भ्रष्टाचार में मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक से लेकर अधिकारी, दलाल, बिचौलिये तक संलिप्त हैं। ईडी की छापामारी में पूजा सिंघल के करीबियों के यहां करोड़ों रुपये बरामद हुए। सेना की जमीन तक को नहीं छोड़ा गया।

राजनाथ ने ओडिशा में विकास की उपेक्षा के लिए की कांग्रेस और बीजद की आलोचना

भवानीपटना। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को पिछले 75 वर्षों के शासन के दौरान ओडिशा की उपेक्षा के लिए कांग्रेस और बीजू जनता दल (बीजद) दोनों पर जमकर निशाना साधा। श्री राजनाथ ने यहां एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, %ओडिशा के लोगों ने देखा है कि 50 वर्षों में कांग्रेस और पिछले 25 वर्षों में बीजद ने राज्य में किस प्रकार का विकास किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा, कांग्रेस और बीजद से बिल्कुल अलग है। रक्षा मंत्री ने कहा, आपने कांग्रेस को 50 साल और बीजद को 25 साल दिए हैं, और अब भाजपा को पांच साल दें, हम भ्रष्टाचार मिटा देंगे और राज्य का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने लोगों से राज्य में भाजपा को वोट देकर सत्ता में लाने का आग्रह किया। साथ ही कहा कि पार्टी राज्य में उन सभी केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं को लागू करेगी जिन्हें बीजद सरकार ने लागू नहीं किया था। श्री सिंह ने आयुष्मान भारत समेत कई केंद्रीय योजनाओं के लाभ से लोगों को वंचित रखने के लिए नवीन पटनायक की आलोचना की और कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर आयुष्मान भारत योजना से वंचित लोगों को कवर किया जाएगा। रक्षा मंत्री और भाजपा की घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष ने कहा कि घोषणापत्र कई विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है और दावा किया कि भाजपा जो कहती है उसे करने में विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के पिछले दस वर्षों के शासन के दौरान देश में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया और कहा कि अगले 10 से 15 वर्षों में देश में कोई गरीब नहीं रहेगा। श्री सिंह ने कहा, इसी तरह, अगले पांच वर्षों में एक भी परिवार पक्के घर, पीने के पानी और एलपीजी गैस कनेक्शन के बिना नहीं बचेगा।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)